दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 134
मुरादाबाद
(Friday)
04 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

जल उत्सव को बनाएं जन-आंदोलनः पीएम मोदी बोले- हर बूंद बचाने के लिए अपनाएं आधुनिक टेक्नोलॉजी

धानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जल शक्ति मंत्रालय के राष्ट्रीय सम्मेलन में शहरीकरण और बढ़ती आबादी के बीच जल सुरक्षा के लिए एआई और आधुनिक जल-बचत तकनीकों के उपयोग पर बल दिया है। उन्होंने जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाने के लिए जल उत्सव आयोजित करने, डैम सुरक्षा सुनिश्चित करने और गाद निकालने के लिए एसओपी बनाने का निर्देश दिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को नई दिल्ली में जल शक्ति मंत्रालय की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय जल सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने शहरीकरण, बढ़ती आबादी और भविष्य में पानी की जरूरतों से निपटने के लिए शहरी स्थानीय निकायों को जागरूक करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जल सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसे जन-भागीदारी के जरिए एक बड़ा अभियान बनाना होगा। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर भारत के दौरे पर हैं। गुरुवार को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हैदराबाद हाउस में मुलाकात की। दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश, रक्षा, तकनीक और कनेक्टिविटी में सहयोग बढ़ाने पर जोर है। वहीं, दो दशक बाद बेल्जियम के किसी प्रधानमंत्री की यह पहली भारत यात्रा है।भारत, यूरोपीय संघ और यूरोप के साथ अपने संबंध मजबूत कर रहा है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर से मुलाकात की। दोनों नेताओं की यह मुलाकात राजधानी स्थित हैदराबाद हाउस में हुई। इससे पहले, प्रधानमंत्री डी वेवर ने राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने वहां पुष्पांजलि अर्पित की और फूल चढ़ाए। बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने राजघाट पर विजिटर्स बुक में भी हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और बेल्जियम के संबंध सहयोग के पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक फैल गए हैं। उन्होंने जोरावर टैंक और आंध्र प्रदेश में एक बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट पर सहयोग का जिक्र किया। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ संयुक्त बयान देते हुए यह बात कही।पीएम मोदी ने कहा, %आज हमारे सहयोग का दायरा पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक फैल गया है। हम जोरावर टैंक जैसे आधुनिक रक्षा उपकरणों पर मिलकर काम कर रहे हैं। हम आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में दुनिया के सबसे बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट्स में से एक को भी विकसित कर रहे हैं।% उन्होंने दोनों देशों के रिश्तों के ऐतिहासिक महत्व पर भी जोर दिया और कहा, %भारत और बेल्जियम के संबंध इतिहास में गहराई से जुड़े हैं। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान बेल्जियम में हजारों भारतीय सैनिकों का साहस और बलिदान हमारी साझा यादों का एक अहम हिस्सा है। आज, लोकतांत्रिक मूल्य, बाजार-आधारित अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच मजबूत संबंध हमें स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं।% भारत और ईयू एफटीए को लेकर पीएम मोदी ने क्या कहा? - भारत और ईयू के बीच हुए एफटीए की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों ने निवेश के लिए एक फास्ट-ट्रैक मैकेनिज्म बनाया है। उन्होंने कहा, इस साल की शुरुआत में, हमने भारत और यूरोपीय संघ के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप दिया। यह दुनिया की दो सबसे बड़ी लोकतांत्रिक ताकतों के बीच यह अभूतपूर्व सहयोग वैश्विक स्थिरता, विकास और साझा समृद्धि को और मजबूत करेगा। भारत की लगातार आर्थिक प्रगति और इस समझौते ने हमारे आर्थिक संबंधों के लिए नई संभावनाएं खोली हैं। आज, हमने इन संभावनाओं को ठोस नतीजों में बदलने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भारत और बेल्जियम व्यापार पर क्या बोले पीएम? - हमने %भारत-बेल्जियम बिजनेस फोरम% को एक नियमित व्यवस्था बनाने का फैसला किया है। हम दोनों देशों के वित्तीय, फिनटेक और नियामक संस्थानों के बीच तालमेल बढ़ाएंगे और इन उपायों के जरिए अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य हासिल करेंगे। इन मुद्दों पर भी हुई चर्चा- उन्होंने कहा, आज हमने अपने स्टार्टअप्स के बीच संबंध मजबूत करने और समुद्री क्षेत्र में क्षमता निर्माण को बढ़ाने पर सहमति जताई। हम यूनिवर्सिटी और रिसर्च के क्षेत्रों में भी सहयोग को मजबूत करेंगे। जल्द ही प्रतिभाओं की आवाजाही को आसान बनाने के लिए माइग्रेशन एंड मोबिलिटी पार्टनरशिप एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करेंगे। आज हमने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर भी विस्तार से चर्चा की। भारत और बेल्जियम दोनों ही कानून के शासन, बातचीत और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने क्या कहा? - वहीं, बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने कहा, %पिछले 20 वर्षों में पहले बेल्जियम के प्रधानमंत्री के रूप में यहां उपस्थित होना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। यह बहुत लंबा समय है। यह वाकई बहुत लंबा समय है। इन 20 वर्षों में भारत में बहुत बड़ा बदलाव आया है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के दौरान। आज आप न केवल दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं, बल्कि सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था भी हैं। यह एक आर्थिक और तकनीकी महाशक्ति और एक प्रमुख भू-राजनीतिक शक्ति बन गया है जिसकी आवाज इस क्षेत्र से कहीं आगे तक सुनाई देती है। उन्होंने आगे कहा, बेल्जियम के लिए, भारत एक महत्वपूर्ण साझेदार बनता जा रहा है। मेरा मानना है कि बदले में मेरा देश भी भारत को बहुत कुछ दे सकता है। हम आकार में थोड़े छोटे हैं, लेकिन हम दुनिया की सबसे खुली और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जुड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैं। हमने व्यापार और वैश्विक बाजारों तक पहुंच के बल पर अपनी समृद्धि का निर्माण किया है। हमने फार्मास्यूटिकल्स, रसायन, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स में विश्व स्तरीय विशेषज्ञता विकसित की है। जिन सभी विषयों पर हमने चर्चा की, वे एक-दूसरे के साथ सहयोग और विकास के विषय हैं।% बेल्जियम के प्रधानमंत्री कब तक भारत के दौरे पर हैं?- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर डी वेवर 4 सितंबर तक भारत के दौरे पर हैं। इस दौरे का मकसद दोनों देशों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत करना तथा व्यापार, निवेश, रक्षा, तकनीक और कनेक्टिविटी के क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करना है। दोनों देश के बीच कब हुए थे समझौता? । भारत और बेल्जियम के रिश्तों में आई तेजी के बीच हो रहा है। इससे पहले मार्च 2025 में प्रिंसेस एस्ट्रिड की अगुवाई में बेल्जियम का एक आर्थिक मिशन भारत आया था, जिसमें कंपनियों, चैंबर ऑफ कॉमर्स, एकेडेमिया और सरकारी संस्थानों के 338 लोगों ने हिस्सा लिया था और 38 समझौते (रूप) हुए थे। इस दौरा से क्या उम्मीद है? - डी वेवर के दौरे के दौरान बेल्जियम के रक्षा और विदेश व्यापार मंत्री और बेल्जियम के रक्षा उद्योगों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी से भारत और बेल्जियम के रक्षा औद्योगिक इकोसिस्टम के बीच सहयोग को आगे बढ़ाने का मौका मिलने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री ने देश में पानी बचाने वाली आधुनिक तकनीकों को बड़े पैमाने पर अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने सुझाव दिया कि भारतीय निर्माताओं और हितधारकों को वैश्विक स्तर के बेहतरीन तरीकों से रूबरू कराने के लिए विशेष प्रदर्शनियां और कार्यशालाएं आयोजित की जानी चाहिए। इससे स्थानीय स्तर पर पानी बचाने के कुशल और सस्ते समाधान विकसित करने और उन्हें पूरे देश में लागू करने में मदद मिलेगी।पीएम मोदी ने जन-भागीदारी पर जोर देते हुए लोगों के बीच जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए %जल उत्सव% जैसे कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की बात कही। इसके साथ ही, जलाशयों और नदियों से गाद निकालने के काम को एक नियमित कार्यक्रम बनाने का निर्देश दिया। लिए एक स्पष्ट मानदंड और मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की जानी चाहिए ताकि जल भंडारण क्षमता को बरकरार रखा जा सके।बांधों की सुरक्षा पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने हर मानसून से पहले कड़े एहतियाती कदम उठाने और पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को शुरुआत से ही जल संरक्षण का महत्व समझाने के लिए इसे स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। इसके अलावा, विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में जल प्रबंधन और शासन पर शोध व ज्ञान को मजबूत करने का भी सुझाव दिया। एआई और डाटा गवर्नेंस से सुधरेगा जल प्रबंधन- पीएम मोदी- प्रधानमंत्री मोदी ने जल क्षेत्र के डेटा को एक समान प्रारूप में एकत्र, प्रबंधित और विश्लेषण करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करने की सिफारिश की।

संक्षिप्त समाचार

हम डरने वाले नहीं- राहुल पर केस को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष का भाजपा पर हमला; बोले- जितनी FIR करनी है कर लें

राहुल गांधी के खिलाफ हल्द्वानी शुद्धिकरण विवाद में एफआईआर दर्ज होने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस डरने वाली नहीं है। वहीं भाजपा ने आरोपों को खारिज किया।कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दलितों और अन्य वंचित वर्गों से जुड़े मुद्दे उठाने वाले राहुल गांधी को डराने और उनका मनोबल गिराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में कोई जातिगत पहलू नहीं है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर हिंदू समाज में विभाजन पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी पर FIR को लेकर क्या बोले खरगे?- मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और संसद के भीतर तथा बाहर लगातार जनहित के मुद्दे उठाते रहे हैं। उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी, छात्रों और महिलाओं से जुड़े सवालों के साथ दलितों की आवाज भी उठाई है। खरगे ने आरोप लगाया कि ऐसे नेता को एफआईआर के जरिए डराने या बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस तरह की कार्रवाई से भयभीत नहीं होगी।खरगे ने दो टूक कहा कि राहुल गांधी के खिलाफ जितनी FIR दर्ज करनी है,

भारत-बेल्जियम संबंधः पीएम मोदी से मिले प्रधानमंत्री वेवर; जोरावर टैंक, क्लीन एनर्जी समेत इन मुद्दों पर मंथन

हम निलंबन की मांग नहीं करेंगे, क्योंकि..., मूंछों पर ताव देने वाले सीओ पर अखिलेश का पलटवार

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मैनपुरी सीओ पर पलटवार किया है। सपा अध्यक्ष ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि हम निलंबन की मांग नहीं करेंगे। दरअसल, मैनपुरी में पुलिस अफसर का मूंछों पर ताव देते हुए वीडियो वायरल हुआ था।उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसमें सीओ सिटी अशोक सिंह एलाऊ थाना क्षेत्र में ट्रक कंडक्टर की हत्या के बाद मैनपुरी के पोस्टमार्टम हाउस में परिजनों से बातचीत के दौरान वीडियो बना रहे लोगों पर भड़क जाते हैं, वो अपनी नेम प्लेट दिखाते हैं, फिर गुस्से में मूंछों पर ताव देते हुए कहते हैं कि वीडियो बनाकर अखिलेश यादव को भेज देना। इस वीडियो पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। रअसल, एलाऊ थाना क्षेत्र में संतोष नगर गांव के पास शराब के ठेके के सामने ट्रक कंडक्टर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिसमें चालक भी घायल हो गया था। घटना के बाद शव को पोस्टमार्टम हाउस ले जाया गया, जहां सीओ सिटी अशोक सिंह परिजनों से बात कर रहे थेइसी दौरान कुछ लोग उनका वीडियो बना रहे थे। इस पर सीओ सिंह ने कथित तौर पर मूंछों पर ताव देते हुए कहा कि वीडियो बनाकर अखिलेश यादव को भेज देना। जून 2026 में औरैया से ट्रांसफर होकर आए मूल रूप से आजमगढ़ निवासी अशोक सिंह के इस बयान का वीडियो वायरल होने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। अखिलेश यादव का हमला- सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर वीडियो साझा करते हुए हमला बोला। उन्होंने लिखा कि सिर पर सत्ता-सजातीय हाथ होने की वजह से इनकी मूंछों पर ताव है। उन्होंने आगे लिखा, ऐसे लोगों से इंसाफ की उम्मीद नहीं की जा सकती, लेकिन अब यह कुछ दिनों की बात है क्योंकि बदलाव दस्तक दे रहा है।सिर पर 'सत्ता-सजातीय' हाथ है इसीलिए इनकी मूंछों पर ताव है ऐस लोगों से क्या होना इंसाफ़ है पर अब ये कुछ दिनों की बात है क्योंकि दस्तक दे रहा बदलाव है हम निलंबन की मांग नहीं करेंगे!। हंगामे के बीच सीओ सिटी अशोक कुमार सिंह की कुछ लोगों से बहस हो रही थी, तब सीओ ने वीडियो बना रहे कुछ लोगों से वीडियो को पूर्व मुख्यमंत्री को भेजने की बात कही। वीडियो में सीओ मूंछों पर ताव देखते हुए भी दिख रहे हैं। हंगामे में मौजूद एक युवक लगातार बोल रहा था कि अखिलेश भैया से शिकायत करेंगे, तो सीओ सिटी अशोक कुमार सिंह ने कह दिया कि बनाओ वीडियो, वायरल कर देना और अखिलेश यादव को भेज देना। यह वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर भी तमाम तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं। इसके बाद सीओ सिटी ने बताया कि एलाऊ क्षेत्र में ट्रक परिचालक की हत्या की गई थी। इस घटना में शामिल मुख्य आरोपी सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया था। जिसके बाद एक प्रधान लगातार कुछ अन्य लोगों को फंसाने के लिए हंगामा कर रहा था। जो भी नाम बताए गए उनके बारे में जानकारी की गई तो वह लोग घटना में शामिल नहीं पाए गए। सीओ ने बताया कि मुख्य आरोपी सहित दो लोगों को हत्या के मामले में जेल भेजा गया।

मायावती ने आकाश आनंद पर गिराई गाज, राष्ट्रीय संयोजक का पद छीना, कहा- अभी अपरिपक्व

आकाश आनंद की भूमिका को लेकर मायावती ने एक बार फिर से पलटी मारी है। उन्होंने कहा कि वह अभी परिपक्व नहीं हैं। मायावती ने आकाश आनंद को राजनीतिक रूप से और अधिक परिपक्व (मैच्योर) होने की बात कहते हुए पार्टी की किसी भी बड़ी जिम्मेदारी से दूर रखने का फैसला किया है। उन्होंने मान्यवर कांशीराम के सिद्धांतों का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि जिस तरह उन्होंने अपने परिवार को केवल पार्टी कार्य की इजाजत दी थी, चुनाव लड़ाने या पद देने के खिलाफ थे। उसी संकल्प पर चलते हुए आकाश आनंद को भी केवल पार्टी में कार्य करने की अनुमति दी गई है। मायावती का मानना है कि आकाश आनंद को अभी और परिपक्वता की आवश्यकता है ताकि विरोधी दलों द्वारा साम, दाम, दंड, भेद जैसे हथकंडों के इस्तेमाल से पार्टी को होने वाले संभावित चुनावी नुकसान से बचाया जा सके। इसके साथ ही आकाश आनंद ने भी अपना एज़्स प्रोफाइल बदल लिया है। उन्होंने राष्ट्रीय संयोजक की जगह खुद को बसपा कार्यकर्ता के रूप में अपनी पहचान बताई है। इससे आकाश के समर्थकों में निराशा है।बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उज़र प्रदेश की पूर्व मुज़्यमंत्री मायावती ने लखनऊ में पार्टी की ऑलइंडिया स्तर की एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता करते हुए संगठन को मजबूत करने और ज्वलंत मुद्दों पर पार्टी का रुख साफ करने संबंधी निर्देश जारी किए। बैठक के दौरान उन्होंने पिछले कार्यों की समीक्षा की और सभी छोटेबड़े पदाधिकारियों को कमियों को दूर कर पूरी ईमानदारी व निष्ठा से पार्टी के दिशानिर्देशों का पालन करने की सज़्त हिदायत दी। कांशीराम जी के संघर्षों का जिक्र करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि शोषित वर्ग को शासक वर्ग बनाना ही बहुजन मूवमेंट का मुज़्य लक्ष्य है और इसके लिए सज़ा हासिल करना बेहद जरूरी है। संघ की कथनी और करनी में भारी अंतर का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने समानता के लिए आजीवन संघर्ष किया, जबकि आरक्षण, मुस्लिम व अन्य अल्पसंज़्यक वर्गों की सुरक्षा और महिला अधिकारों के मामलों में आरएसएस के दावों में सच्चाई की कमी दिखती है। उन्होंने संघ को सलाह दी कि वह खुद भी बाबा साहेब के मानवतावादी व समतामूलक संविधान का ईमानदारी से पालन करे और अपने लोगों से भी इसका पालन करवाए।

संपादकीय Editorial

Who turned their backs?

The economic crisis teaches us what we don't learn under normal circumstances, so the paths are strengthened where clay is turned to stone. If tough decisions are born from the womb of economic crisis, that will be a measure of your worth; otherwise, even priceless pearls shatter and scatter. While Himachal's efforts to gather its scattered pearls are being tested, it's also worth considering that sooner or later, governments will have to change their character. It's being understood that after slashing the pay bills of ministers and MLAs, efforts are underway to nurture the future with tough decisions. In this context, extensions of service for officers and employees in Himachal have been put on hold, or reappointments have been halted. Although generous grants were distributed through extensions, re-employment, and re-engagement, the pens of such decisions are now sweating. The autumn in the government garden has ruined the days and months of the bees. The decision hasn't uprooted the previous extension, yet this spell will collapse in due course. In fact, every government in Himachal Pradesh has built magical castles for itself, but each wonder proves to be overwhelming. The streets of Shimla don't allow the rulers to be heard, and the drums that are played during welcomes completely dull the ears. Therefore, the racial traditions of senior officials keep Himachal dancing on their fingers. The real job comes after the term ends. These bell-bells have been taught the etiquette of silence, otherwise even the walls once had ears. On the other hand, the rewards cultivated through government experience have never allowed governments to venture beyond their four walls. Files create chaos in the silence of the secretariat, and the compulsions of power bleed in the whirlpool of martyrdom. However, Himachal's decisions are also being reviewed in the context of economic standards, so one must wonder who those quails were who ruined the entire field. Clearly, the expensive trappings of government employment have taken a toll on the treasury. Had past governments not turned the treasury into a slaughterhouse, their debts wouldn't have broken their limbs. Now, if job extensions are stalled, who can explain what system or demand allowed a few officers and employees to be held in high esteem, preventing them from ever feeling the government's disregard for them? Himachal's pursuit of reputation has always been a challenge. These final two years of a government's tenure often lead to the treasury's oblivion. Who has ever been satisfied? Whether the previous government provided free electricity or discounted HRTC bus service to women passengers, they have become loyal to power. Numerous announcements have certainly yielded a few coins, but in Himachal's ever-changing election season, no one is anyone's ally. The day governments see the loyalty of employees in Pangi, Kinnaur, or Shillai, far from the court of Shimla, the standard of good governance will change. The day politics ceases to merely reflect public desire, social concerns will shift. The day political leaders cease to consider themselves mere personnel transfer machines, the public's democratic expression will change. The day governments understand that the private sector has a population of approximately 250,000 employees, traders, entrepreneurs, and self-employed individuals, far outnumbering the approximately 450,000 public sector pensioners, the entire system will change. If governments ever formulate policies in accordance with the desires of the private sector, the constraints of power will be removed.

Good Days for the Economy

With a growth rate of 7.8 percent, the Indian economy once again became the fastest-growing economy, but India should not be complacent.

7.8% GDP growth in the first quarter of FY 2026-27. Domestic demand, manufacturing, and construction drove growth. The Prime Minister set a target of over 8% growth. The 7.8 percent GDP growth in the first quarter of FY 2026-27 is a pleasant surprise, as it came despite global turmoil and high energy prices, especially in the context of high prices. Many economists were not expecting this. This is especially so because the economy grew 6.9 percent in the same quarter last year, and the international trade landscape appeared challenging.

A major reason for the better-than-expected GDP figures for the first quarter of this fiscal year is the continued domestic demand. Furthermore, government capital expenditure, manufacturing, construction, and exports also contributed to GDP growth.

Naturally, the Prime Minister expressed his delight at the better-than-expected GDP figures, calling them a blow to the pessimists. It's clear that he was referring to those who recently supported US President Trump's irritating claim that the Indian economy was dead.

The impressive GDP figures also underscore that the Indian economy is demonstrating its potential despite the failure to reach a trade deal with the US.

Since this was facilitated by trade agreements reached with several countries in the recent past, such agreements should continue. This will not only strengthen the economy but also help counter US pressure.

With a growth rate of 7.8 percent, the Indian economy once again became the fastest-growing economy, but India should not be complacent. Along with increasing growth, it is also essential to increase the average income of Indian citizens. To achieve this, India should aim for a growth rate of over 8 percent. This is necessary because, firstly, the Indian economy has the potential to achieve this goal, and secondly, only such a growth rate can facilitate the country's goal of development. Only this will be successful in strengthening measures to alleviate poverty.

Now that it is clear that manufacturing sector growth has supported GDP, this sector's capacity must be increased. In addition to manufacturing, the construction sector also contributed to GDP. This sector, which employs the most people, must flourish, but while maintaining quality standards. Policymakers are responsible for ensuring this. They must also be vigilant that a weak monsoon does not impact next quarter's growth rate.

A New Direction for India-China Relations

It is clear that India will not be swayed by diplomatic expectations and will not compromise its strategic vigilance and preparedness. Border disputes were discussed during the Doval-Wang Yi talks. Agreement was reached to establish new communication mechanisms for border management. Kailash Mansarovar Yatra and border trade will resume. Recently, the 25th round of Special Representative-level talks between National Security Advisor Ajit Doval and Chinese Foreign Minister Wang Yi concluded in Beijing. This meeting, focused on border issues, can be considered an important and measured step towards mending the fragile bilateral relationship between the two countries. These talks build on the agreement to withdraw security forces from friction points along the LAC in October 2024 and the subsequent consensus reached between Prime Minister Narendra Modi and President Xi Jinping.

The true significance of the recent talks lies not in any major or unexpected achievement on the border issue, but in efforts to establish a permanent mechanism to avert future conflict and gradually restore bilateral political and economic engagement. In this context, the eight-point joint consensus also indicates that both countries are moving beyond merely resolving immediate military tensions and toward establishing a formal and long-term mechanism that provides greater stability to bilateral relations. The most significant outcome of this meeting was the assignment of the Joint Expert Group and the Border Management Working Group under the Working Framework for Coordination and Consultation (WMCC) to achieve rapid and concrete progress on demarcation and management. This terminology is quite meaningful. It underscores the fact that while a complete resolution of the border dispute remains elusive, these talks certainly lay the groundwork for gradual agreements that can reduce uncertainty and tension in the border areas. In this regard, the direct communication mechanism between the two armies is equally important. An agreement was reached to establish two new meeting points for talks between senior military commanders and two new hotlines in the eastern and central sectors.

Such a mechanism could play a crucial role in defusing tensions in any area along the undemarcated LAC where local clashes are likely to escalate. The reaffirmation of the 2005 Agreement on Political Parameters and Guiding Principles is no less important. Reiterating their commitment to a just, reasonable, and mutually acceptable solution, both countries have maintained a political mechanism for the final resolution of the border issue. However, there remains a long way to go before any concrete progress on this front. However, the talks also clearly indicate that both India and China are perhaps beginning to understand the harm of allowing the shadow of border disputes to overshadow their overall relationship. In this regard, the agreement to resume the Kailash Mansarovar Yatra and re-start border trade through the demarcated passes is a step toward gradually restoring people-to-people contact and trade relations. Additionally, the decision to hold a meeting of the Expert Group on Shared Rivers underscores that both sides are willing to resume dialogue on issues of mutual interest, even amid strategic disagreements. India will now host the 26th round of talks, which is expected to further strengthen the institutional basis for this engagement. Trends in the talks held in China indicate a greater emphasis on stability and sustainability than on averting any immediate crisis. The two countries' emphasis on being "partners, not competitors" appears to be an attempt to soften the harsh strategic rhetoric and foster a climate of diplomatic engagement. However, given the past, such efforts cannot be seen as a fundamental shift in the fundamental nature of bilateral relations. Nevertheless, a few points are important to note:

the new dialogue mechanism between the two armies will reduce the risk of local clashes escalating into larger ones.

This will require mutual trust and regular communication. The approach of rapid progress reflects the ground reality that a complete resolution of the border dispute is not immediately possible, and therefore, only through phased agreements can we hope to reduce conflict and build trust. The Kailash Mansarovar Yatra and the gradual opening of border trade underscore the strategy of both countries to move forward by segmenting their relationship, allowing cooperation in select areas to continue despite major strategic disputes. The timing of this agreement between India and China is also significant, providing some diplomatic stability at the bilateral level, especially as both countries are increasing their engagement in forums like the Shanghai Cooperation Organization (SCO) and BRICS.

Despite this, the recent talks should be seen as a de-escalation exercise rather than a major strategic shift. This is because the mistrust between the two countries is deeply rooted. Factors such as infrastructure construction along the LAC, the balance of military power along the Himalayan border, the widening trade deficit, and the competition for regional dominance will continue to shape the direction of Indian policy in the future. It is clear that India will not let diplomatic expectations sway its strategic vigilance and preparedness. Overall, this is the essence of the 25th round of talks. India-China relations are not returning to their pre-2020 state, but have entered a new phase of controlled competition. The aim is not to abruptly erase the fundamental strategic rivalry between the two countries, but rather to blur it and prevent it from escalating into a new military confrontation.

प्राथमिक विद्यालय गुलड़िया में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व तैयारी, बच्चों ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

बाल कृष्ण के स्वरूप, मटकी, बांसुरी एवं मोरपंख से सजी आकर्षक कलाकृतियों ने बढ़ाई विद्यालय की शोभा

मुरादाबाद - श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पर्व की पूर्व तैयारी के क्रम में प्राथमिक विद्यालय गुलड़िया, बिलारी में छात्र-छात्राओं के लिए रचनात्मक गतिविधि आयोजित की गई। गतिविधि के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप तथा जन्माष्टमी से संबंधित विभिन्न कलाकृतियां तैयार कीं और विद्यालय के बोर्ड को आकर्षक ढंग से सजाया।

छात्र-छात्राओं ने रंगीन कागज एवं अन्य सजावटी सामग्रियों का प्रयोग करते हुए बाल कृष्ण का स्वरूप, मटकी, बांसुरी, मोरपंख और अन्य आकर्षक आकृतियां तैयार कीं। बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता का परिचय देते हुए इन कलाकृतियों को सुंदर एवं रचनात्मक ढंग से प्रदर्शित किया। शिक्षक के मार्गदर्शन में बच्चों द्वारा सामूहिक रूप से की गई सजावट ने विद्यालय के वातावरण को उत्सवमय बना दिया।

इस अवसर पर बच्चों ने न केवल अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि एक-दूसरे के साथ सहयोग करते हुए सामूहिक सहभागिता और टीम भावना का भी परिचय दिया। गतिविधि के माध्यम से बच्चों को करके सीखने, रचनात्मक ढंग से अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करने तथा सहयोग के साथ कार्य करने का अवसर मिला।

विद्यालय में इस प्रकार की गतिविधियों का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से सहज और आनंदपूर्ण तरीके से जोड़ना है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी से जुड़ी इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों को पर्व की सांस्कृतिक महत्ता से परिचित कराने के साथ-साथ उनकी सृजनात्मक सोच, कल्पनाशीलता और कलात्मक कौशल को प्रोत्साहित किया गया।

बच्चों की उत्साहपूर्ण सहभागिता और उनके द्वारा तैयार की गई सुंदर कलाकृतियों ने विद्यालय में जन्माष्टमी के उत्सव की सुखद एवं रचनात्मक अनुभूति कराई। जिला समाज कल्याण अधिकारी प्रज्ञा बाजपेयी ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में समस्त वर्गों हेतु संचालित छात्रवृत्ति योजना में शिक्षण संस्थान / विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेंसी स्तर पर मास्टर डाटा लॉक न किए जाने, छात्रों द्वारा त्रुटिपूर्ण डाटा अपलोड किए जाने, शिक्षण संस्थान स्तर पर आवेदन लंबित रहने, पीएफएमएस पर लंबित रिजेक्टेड प्रकरण एवं ट्रांजेक्शन फेल आदि विभिन्न कारणों से पात्र छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति का भुगतान नहीं हो सका है।

ऐसे वंचित छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति का भुगतान कराए जाने के लिए शासन द्वारा समय-सारणी निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया कि शिक्षण संस्थाओं द्वारा मास्टर डाटा तैयार करने की तिथि 01 सितम्बर 2026 से 07 सितम्बर 2026 तक। विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेंसी द्वारा फीस आदि का सत्यापन की तिथि 02 सितम्बर 2026 से 08 सितम्बर 2026 तक। जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा फीस आदि का सत्यापन की तिथि 03 सितम्बर 2026 से 09 सितम्बर 2026 तक। त्रुटिपूर्ण आवेदनों को शिक्षण संस्थान स्तर से सही करने की तिथि 16 सितम्बर 2026 से 18 सितम्बर 2026 तक है।

शिक्षण संस्था द्वारा सत्यापित एवं पात्र डाटा अग्रसारित करना तथा अपात्र छात्र-छात्राओं के आवेदन निरस्त करने की तिथि 17 सितम्बर 2026 से 19 सितम्बर 2026 तक तथा जनपदीय समिति द्वारा शुद्ध डाटा लॉक करने की तिथि 17 सितम्बर 2026 से 25 सितम्बर 2026 तक।

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने समस्त संबंधित शिक्षण संस्थाओं से कहा कि वे निर्धारित समय-सारणी के अनुसार आवश्यक कार्यवाही समय से पूर्ण कराएं, ताकि पात्र छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का लाभ दिलाया जा सके।

उन्होंने बताया कि जिन छात्र-छात्राओं के बैंक खाते पीएफएमएस पर लंबित, रिजेक्टेड अथवा ट्रांजेक्शन फेल होने के कारण छात्रवृत्ति आवेदन निरस्त हुए हैं, ऐसे छात्र-छात्राएं अपने बैंक से संपर्क कर ह्वक्क्ष्टढ्ढ/ ष्ठक्क्ष अनिवार्य रूप से सक्रिय करा लें, जिससे छात्रवृत्ति की धनराशि का भुगतान सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा में डीएम के सख्त निर्देश

लंबित ऋण आवेदनों का शीघ्र निस्तारण कर स्वीकृति एवं वितरण में तेजी लाएं बैंक : जिलाधिकारी

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (CM YUVA) योजना की प्रगति को लेकर जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई।

बैठक में योजना के अंतर्गत पंजाब नेशनल बैंक एवं बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में उपायुक्त उद्योग द्वारा 02 सितंबर 2026 तक प्राप्त ऋण आवेदनों तथा संबंधित बैंक शाखाओं में स्वीकृति एवं वितरण की प्रगति से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया।

इस पर जिलाधिकारी ने दोनों बैंकों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण करते हुए ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए।

जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि जिन बैंक शाखाओं में प्रकरण लंबित हैं, वहां पात्रता के अनुरूप शत-प्रतिशत ऋण स्वीकृति तथा अधिकतम ऋण वितरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि जिले के अधिकतम लोगों को लाभ मिल सके।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान प्रदेश सरकार की अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्राथमिकता वाली योजना है, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं बेरोजगार युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

इसलिए योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक में जिलाधिकारी ने बैंक अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि प्राप्त ऋण आवेदनों को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। यदि किसी आवेदन को निरस्त किया जाता है तो उसका स्पष्ट एवं उचित कारण दर्ज करते हुए

आवेदक को भी अवगत कराया जाए, ताकि आवेदकों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

जिलाधिकारी ने उपायुक्त उद्योग को योजना की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध तरीके से ऋण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक में उपायुक्त उद्योग श्री दीपेंद्र कुमार, सहायक आयुक्त उद्योग भूपेन्द्र सिंह, सीएमएम युवा फेलो मधुर गुप्ता, हर्ष सैनी सहित पंजाब नेशनल बैंक एवं बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रबंधक, जिला समन्वयक एवं शाखा प्रबंधक उपस्थित रहे।

खाद्य प्रसंस्करण में करियर बनाने का सुनहरा मौका, 15 सितंबर तक करें आवेदन।

मुरादाबाद में पाककला-बेकरी का एक माह का नि:शुल्क प्रशिक्षण, एससी/एसटी युवाओं के लिए 100 दिवसीय उद्यमिता विकास प्रशिक्षण भी होगा आयोजित। खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में रोजगार और स्वरोजगार की संभावनाओं को बढ़ावा देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को प्रशिक्षण का अवसर प्रदान किया जा रहा है। खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा संचालित राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र, डिप्टीगंज, मुरादाबाद में एक माह का पाककला/बेकरी प्रशिक्षण तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं के लिए 100 दिवसीय उद्यमिता विकास खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। दोनों प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए इच्छुक अभ्यर्थी 15 सितंबर 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। पाककला एवं बेकरी प्रशिक्षण में 30 सीटें- एक माह के पाककला/बेकरी प्रशिक्षण के लिए कुल 30 सीटें निर्धारित की गई हैं। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को साउथ इंडियन, चाइनीज, फास्ट फूड सहित विभिन्न भारतीय एवं कॉन्टिनेंटल व्यंजन तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के लिए नि:शुल्क प्रशिक्षण सामग्री किट भी उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशिक्षण के लिए शैक्षिक योग्यता साक्षर तथा न्यूनतम आयु 18 वर्ष निर्धारित है। निर्धारित सीटों से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर अभ्यर्थियों का चयन मेरिट/लिखित परीक्षा के आधार पर किया जाएगा। चयन में प्रदेश सरकार की आरक्षण नीति का पालन किया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद उद्योग लगाने पर सब्सिडी का लाभ- प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सूक्ष्म/लघु उद्योग स्थापित करने के इच्छुक लाभार्थियों द्वारा नियमानुसार प्रस्ताव प्रस्तुत करने पर गठित समिति की संस्तुति के आधार पर मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण स्वरोजगार योजना के अंतर्गत अधिकतम 50 प्रतिशत अथवा एक लाख रुपये तक की सब्सिडी उपलब्ध कराई जा सकेगी। एससी/एसटी युवाओं के लिए 100 दिवसीय प्रशिक्षण अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं के लिए सत्र 2026-27 में 100 दिवसीय उद्यमिता विकास खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके लिए हाईस्कूल उत्तीर्ण अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थी की आयु 01 जुलाई 2026 को न्यूनतम 18 वर्ष होनी चाहिए। इस प्रशिक्षण के लिए भी कुल 30 सीटें निर्धारित हैं तथा चयन प्रदेश सरकार की आरक्षण नीति के अनुसार किया जाएगा। यह प्रशिक्षण केवल अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए है। प्रशिक्षण हेतु 300 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र के प्रभारी श्री सौरभ सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य युवाओं को खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में आवश्यक कौशल एवं उद्यमिता संबंधी प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना है। इच्छुक अभ्यर्थी 15 सितंबर 2026 तक राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र, डिप्टीगंज, मुरादाबाद के कार्यालय से आवेदन-पत्र प्राप्त कर जमा कर सकते हैं। आवेदन-पत्र किसी भी कार्यदिवस में प्राप्त किए जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी प्रात: 10 बजे से सायं 5 बजे तक केंद्र के कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

11 वर्षीय मासूम ने फंदा लगाकर की आत्महत्या, सदमे में परिवार; जांच में जुटी पुलिस

मझोला में मासूम का फंदे से लटकता मिला शव, कारणों की जांच में जुटी पुलिस

मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र (हनुमान नगर) में 11 साल के एक मासूम बच्चे ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है।महानगर के मझोला थाना क्षेत्र में एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां हनुमान नगर में रहने वाले 11 वर्षीय एक मासूम बच्चे ने संदिग्ध परिस्थितियों में फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इतनी छोटी उम्र में बच्चे द्वारा उठाए गए इस खौफनाक कदम से हर कोई हैरान है। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सुबह साढ़े नौ बजे मिला फंदे से लटकता शव- जानकारी के अनुसार, मृतक बच्चे का नाम रोहन (11 वर्ष) था। सुबह करीब साढ़े नौ बजे रोहन ने घर के अंदर अज्ञात कारणों के चलते फंदा लगा लिया। जब परिजनों की नजर फंदे पर लटकते मासूम पर पड़ी, तो उनके होश उड़ गए और घर में चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही मझोला थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और परिजनों की मौजूदगी में शव को फंदे से नीचे उतारा। मूल रूप से उत्तराखंड का रहने वाला है परिवार- पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया। फॉरेंसिक टीम के सदस्यों ने घटनास्थल से कई आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं।बताया जा रहा है कि मृतक रोहन के पिता मूल रूप से उत्तराखंड राज्य के चंपावत जिले स्थित ग्राम सोराई के रहने वाले हैं और वर्तमान में मुरादाबाद के हनुमान नगर में परिवार के साथ निवास कर रहे हैं। मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं- पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर दिया है और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल, बच्चे ने आत्महत्या जैसा कदम क्यों उठाया, इसे लेकर परिजन भी अभी कोई स्पष्ट कारण नहीं बता पा रहे हैं। पूरा परिवार गहरे सदमे में है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और परिजनों के विस्तृत बयान दर्ज होने के बाद ही मौत के सही कारणों से पर्दा उठ सकेगा। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

आईजीआरएस में 127 अंक पाकर प्रदेश में अव्वल रहा रामपुर

रामपुर। आईजीआरएस में शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण के मामले में रामपुर ने एक बार फिर प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। अगस्त की मासिक मूल्यांकन रिपोर्ट में जिले को 127 अंक मिले हैं। खास बात यह है कि वर्ष के आठ महीनों में जनपद सातवीं बार प्रदेश में नंबर वन रहा है। शिकायतों के निस्तारण के बाद शासन स्तर से अगस्त में 4985 फरियादियों से दूरभाष के माध्यम से फीडबैक लिया गया। इनमें 4266 लोगों ने शिकायत के समाधान को संतोषजनक बताया। इस तरह 85.58 फीसदी शिकायतकर्ताओं ने प्रशासन की कार्रवाई पर संतुष्टि जताई।

आईजीआरएस और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर आने वाली शिकायतों की लगातार निगरानी की गई।आईजीआरएस में प्रदेश में प्रथम स्थान पूरी टीम की मेहनत और बेहतर समन्वय का परिणाम है।

जनसुनवाई का उद्देश्य केवल शिकायत बंद करना नहीं, बल्कि फरियादी को वास्तविक राहत देना है। सभी विभागों ने संवेदनशीलता और तत्परता से काम किया। आगे भी शिकायतों का त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। -अजय कुमार द्विवेदी, डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

प्रिटी पैटल्स किड्स जोन में राधा-कृष्ण व मुरली प्रतियोगिता

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। प्रिटी पैटल्स किड्स जोन में राधा-कृष्ण एवं मुरली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में छोटे-छोटे बच्चों ने मनमोहक पोशाकें पहनकर सभी का मन मोह लिया। उनकी सुंदर वेशभूषा और प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को आकर्षित किया।राधा-कृष्ण प्रतियोगिता में श्रीजी ने प्रथम, सनाया ने द्वितीय सान्वी तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं मुरली प्रतियोगिता में राज प्रथम, जिकरा द्वितीय आन्या तृतीय स्थान पर रहीं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीमा सुरक्षा बल भिटौरा कैंप के डिप्टी कमांडेंट दिनेश सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला सिंह रहीं। उन्होंने विजेता बच्चों को स्मृति चिन्ह एवं मेडल देकर सम्मानित किया तथा बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की। विद्यालय की प्रधानाचार्य पूजा गुप्ता एवं प्रबंधक दिनेश पांडे ने सभी अतिथियों, बच्चों एवं अभिभावकों का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

चीनी-प्याज पर महंगाई पर सरकार को घेरा

कलेक्ट्रेट पहुंचे यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ता, संगीत सोम का पुतला फूंका

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता अपने साथ चीनी और प्याज लेकर पहुंचे और इनके बढ़ते दामों को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान सपा नेता संगीत सोम का पुतला लेकर पहुंचे और उसे फूंककर विरोध जताया। इसके बाद जिलाधिकारी अविनाश सिंह के माध्यम से राज्यपाल को 20 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया।

चीनी-प्याज दिखाकर महंगाई पर जताया विरोध- मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के जिलाध्यक्ष एजाज अहमद के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने कहा कि खाद्य पदार्थों, सब्जियों, दाल, तेल, दूध, बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन की बढ़ती लागत से आम परिवार का बजट बिगड़ रहा है। सीमित आय वाले परिवारों के लिए रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल होता जा रहा है। कार्यकर्ताओं ने जमाखोरी, कालाबाजारी और मुनाफाखोरी के खिलाफ विशेष अभियान चलाने की मांग की। बेरोजगारी और सरकारी भर्तियों का भी उठाया मुद्दा- ज्ञापन में प्रदेश के सरकारी विभागों में रिक्त पदों को जल्द भरने, भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक व अन्य अनियमितताओं पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई। यूथ ब्रिगेड ने युवाओं के लिए रोजगार मेलों और कौशल विकास कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के साथ स्वरोजगार के लिए आसानी से ऋण उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई। भ्रष्टाचार पर प्रभावी निगरानी की मांग- कार्यकर्ताओं ने सरकारी कार्यालयों में रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार रोकने के लिए प्रभावी निगरानी तंत्र बनाने की मांग की। कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक बिना बिचौलियों के पहुंचना चाहिए और शिकायतों का निर्धारित समय में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। ज्ञापन में किसानों को उपज का उचित मूल्य दिलाने, कृषि लागत कम करने, मजदूरों व असंगठित क्षेत्र के कामगारों को सामाजिक सुरक्षा देने, सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर, दवाएं और जांच सुविधाएं बढ़ाने तथा बिजली, पानी, सड़क और नाली जैसी मूलभूत सुविधाओं में सुधार की मांग की।

बरेली के विकास को मिलेगी रफ्तार, बीडीए ने शुरू किया 'विकास संवाद'

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। मुख्यमंत्री के सुशासन, पारदर्शिता एवं त्वरित जनसेवा के विजन को धरातल पर उतारते हुए बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने मानचित्र स्वीकृति प्रक्रिया को सरल और समयबद्ध बनाने की दिशा में पहल की है। गुरुवार को प्राधिकरण सभागार में मानचित्र समाधान दिवस एवं बीडीए विकास संवाद का आयोजन उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में करीब 30 आर्किटेक्ट्स, एलटीपी एवं इंजीनियर्स ने हिस्सा लिया। ऑनलाइन मानचित्र स्वीकृति पोर्टल से जुड़ी तकनीकी एवं व्यावहारिक समस्याओं पर चर्चा हुई। बीडीए अधिकारियों ने कई समस्याओं का मौके पर ही समाधान करते हुए आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन दिया। इस दौरान करीब 10 भवन मानचित्रों का मौके पर निस्तारण/स्वीकृति की गई तथा संबंधित रिपोर्ट भी तत्काल जारी की गईं। शेष मामलों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए गए। उपाध्यक्ष ने कहा कि बीडीए का उद्देश्य सरल प्रक्रिया, स्पष्ट जानकारी, सकारात्मक संवाद और समयबद्ध सेवा के माध्यम से आमजन एवं स्टेकहोल्डर्स को बेहतर सुविधाएं देना है। आर्किटेक्ट, इंजीनियर, बिल्डर, डेवलपर, उद्योग, अस्पताल, शिक्षण संस्थान व होटल उद्योग समेत सभी संबंधित पक्षों के सुझावों के आधार पर मानचित्र स्वीकृति व्यवस्था में आवश्यक सुधार किए जाएंगे।

बुर्का पहन जिला अस्पताल से महिला बंदी फरार, सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मी निलंबित

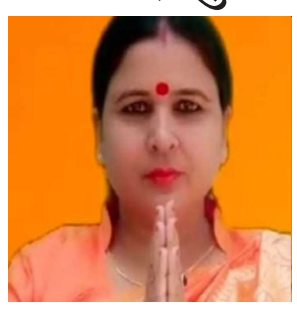

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिला अस्पताल में भर्ती महिला बंदी पुलिस सुरक्षा को चकमा देकर फरार हो गई। टॉयलेट जाने के बहाने वार्ड से निकली बंदी ने वहां अपने कपड़े बदले और बुर्का पहनकर अस्पताल से बाहर निकल गई। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर महिला पुलिसकर्मियों ने उसकी तलाश की तो टॉयलेट में उसके कपड़े टंगे मिले। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। मामले में लापरवाही सामने आने पर एसएसपी ने सुरक्षा में तैनात दोनों महिला पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। पॉक्सो मामले में जेल में बंद थी महिला- इज्जतनगर क्षेत्र के तुलाशेरपुर गांव निवासी 49 वर्षीय ममता पत्नी पप्पू को फरीदपुर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामले में दिसंबर 2025 में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। वह केसरपुर स्थित केंद्रीय कारागार-2 में बंद थी। 31 अगस्त को उसे पेशी के लिए जिला न्यायालय लाया गया था। अदालत में तबीयत बिगड़ने के बाद उसे दो महिला पुलिसकर्मियों की सुरक्षा में जिला अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया था। बार-बार टॉयलेट जाने से जताई जा रही है आशंका- अस्पताल में मौजूद लोगों के मुताबिक, बुधवार दोपहर से ममता कई बार टॉयलेट जा रही थी। शाम करीब सात बजे उसने फिर टॉयलेट जाने की बात कही। उस समय दोनों महिला पुलिसकर्मी खाना खा रही थीं और बंदी को अकेले टॉयलेट जाने दिया गया। काफी देर बाद भी जब वह वापस नहीं लौटी तो पुलिसकर्मी उसे देखने पहुंचीं। वहां ममता नहीं मिली, जबकि उसके कपड़े टंगे हुए थे। बुर्का पहनकर निकलने की आशंका- पुलिस के मुताबिक, महिला कपड़े बदलकर बुर्का पहनकर अस्पताल से बाहर निकली। आशंका है कि फरारी में किसी बाहरी व्यक्ति ने उसकी मदद की हो। पुलिस अस्पताल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। बेटे को फोन कर दी फरार होने की जानकारी घटना के कुछ देर बाद ममता का बेटा केशव भी उसे तलाशते हुए जिला अस्पताल पहुंचा। उसने पुलिस को बताया कि ममता ने किसी अन्य व्यक्ति के मोबाइल से उसे फोन किया था और बताया कि वह अस्पताल से बाहर निकल चुकी है। इसके बाद पुलिस बाहरी व्यक्ति की भूमिका की भी जांच कर रही है।

गौशालाओं पर मंडलायुक्त की सख्ती, अब कैमरों से होगी 24 घंटे निगरानी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। मण्डलायुक्त शम्भू कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को आयुक्त सभागार में निराश्रित गोवंश संरक्षण के लिए संचालित गो-आश्रय स्थलों की व्यवस्थाओं की समीक्षा बैठक हुई। मंडलायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि गोवंश के भरण-पोषण के लिए फंड रिक्वेस्ट समय से पोर्टल पर अपलोड की जाए, ताकि भुगतान में किसी प्रकार की देरी न हो।

उन्होंने मुख्यमंत्री निराश्रित गोवंश सहभागिता योजना के लाभार्थियों का सत्यापन भी समय से पूरा कराने के निर्देश दिए। वर्षभर हरा चारा उपलब्ध कराने के लिए किसानों से अनुबंध बढ़ाने, गोशालाओं के आसपास नैपियर घास की बुवाई कराने तथा वर्षाकाल में चारे की आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भूसा और साइलेज का पर्याप्त भंडारण सुनिश्चित करने को कहा। मंडलायुक्त ने सभी गो-आश्रय स्थलों को सीसीटीवी कैमरों से लैस कर जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए, ताकि गोशालाओं की सतत निगरानी की जा सके। जलभराव की आशंका वाले आश्रय स्थलों में ऊंचे चबूतरे बनाने और सुरक्षित स्थानों पर गोवंशों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा।

उन्होंने कब्जायुक्त चारागाह एवं गोचर भूमि को कब्जामुक्त कराकर हरा चारा उगाने, वन विभाग के सहयोग से गोशालाओं में छायादार व फलदार पौधे लगाने तथा उनकी सुरक्षा के लिए ट्री-गार्ड लगाने के निर्देश भी दिए। मंडलायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को शासन के निर्धारित प्रारूप के अनुसार नियमित गो-आश्रय स्थलों का निरीक्षण कर कमियों और निरीक्षण आख्या को समय से पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए।

गांजे की पुड़िया लेकर निकला, हाफिजगंज पुलिस ने दबोचा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। हाफिजगंज पुलिस ने गश्त के दौरान सूचना पर ग्राम हरहरपुर मटकली रोड से नौआ नगला स्थित बंद पड़े नलकूप के पास से परमेश्वरी पुत्र लीलाधर (55) निवासी हरहरपुर मटकली को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से 1.149 किलोग्राम अवैध गांजा और 3,400 रुपये नकद बरामद किए।

पूछताछ में आरोपी ने गांजा छोटी-छोटी पुड़ियों में बेचने की बात बताई। मामले में थाना हाफिजगंज में मु0अ0सं0 496/26, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

कार में पत्नी को गैर मर्द के साथ देखकर भड़के पति ने युवक को पीटा

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बहेड़ी क्षेत्र में नैनीताल हाईवे पर जमकर हंगामा हुआ। एक शख्स ने अपनी बीवी को एक युवक की कार में सवार होते देख लिया। कार चालक को पत्नी का आशिक मानकर पीछे से आए पति ने उसे गालीगलौज कर पीटना शुरू कर दिया। पत्नी को भी पीटा। उसके साथ आए परिजन ने इस घटनाक्रम का वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोकेशन ट्रेस कर पीछा कर रहा था शौहर शख्स अपनी पत्नी पर लंबे समय से शक कर रहा था। पति ने उसके फोन और लोकेशन पर नजर रखी। वह उसका पीछा करने लगा। हाईवे के पास महिला एक लाल रंग की कार में सवार हो गई। थोड़ी ही दूर आगे बढ़ते ही पीछे से आ रहे पति ने अपनी गाड़ी आगे लगाकर कार को रुकवा लिया। कार रुकते ही पति आग बबूला हो गया। उसने उतरते ही चालक का कॉलर पकड़ लिया और उसे बाहर निकाल लिया। चालक हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाता रहा कि इसने सिर्फ लिफ्ट मांगी थी। मैं कहीं नहीं ले जा रहा, ये मेरी बहन जैसी है। लेकिन गुस्से में तमतमाए पति ने उसकी एक न सुनी और गाली-गलौज करते हुए दनादन थप्पड़ जड़ दिए 7 पति चिल्लाता रहा कि मैंने अपनी आंखों से इसे (पत्नी) कार में बैठते देखा है। नकाब खिंचकर पत्नी पर भी उठाया हाथ मारपीट और हंगामे के दौरान महिला कार से बाहर निकलकर सहमी खड़ी रही। पति ने उस पर भी हाथ छोड़ दिया और नकाब खींच दिया। महिला रोकर सफाई देती रही और खुद को बेकसूर बताती रही, लेकिन पति का गुस्सा शांत नहीं हुआ। वीडियो में महिला का पति कहता सुनाई दे रहा कि लोकेशन पर पूरा मोबाइल लेकर चल रहे थे हम। तमाशबीन बनी रही भीड़ हाईवे पर हंगामा होता देख राहगीरों, ई-रिक्शा चालकों और स्थानीय लोगों का मजमा लग गया। दोनों ओर से गाड़ियां रुकने लगीं और जाम के हालात बन गए। लोग मूकदर्शक बनकर अपने मोबाइल से वीडियो बनाते रहे। बाद में कुछ बुजुर्गों और राहगीरों के बीच-बचाव के बाद मामला शांत हुआ। बहेड़ी पुलिस के अनुसार, घटना की जानकारी मिली है। वायरल वीडियो के आधार पर जांच की जा रही है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

पति पर हमला कर गंभीर घायल करने का आरोप, महिला ने पुलिस से लगाई कार्रवाई की गुहार

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। थाना शाही क्षेत्र के ग्राम गौहाना निवासी एक महिला ने कुछ लोगों पर अपने पति के साथ मारपीट कर गंभीर रूप से घायल करने का आरोप लगाया है। महिला ने थाना पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।प्रार्थना पत्र के मुताबिक महिला अपने पति पातीराम के साथ दवा लेने जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि पहले कहासुनी हुई और इसके बाद पति के साथ मारपीट शुरू कर दी गई। महिला का आरोप है कि हमलावरों ने उसके पति को लाठी-डंडों से पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए।पीड़िता के अनुसार घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया। आरोप है कि इसके बाद भी हमलावरों ने महिला के पति को धमकी दी और मौके से चले गए। मारपीट में घायल पति का उपचार कराया गया है।महिला ने प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि घटना के दौरान उसके साथ अभद्रता की गई तथा उसके पति के साथ दोबारा मारपीट करने की धमकी दी गई। पीड़िता ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।पीड़िता ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। थाना प्रभारी प्रवीन कुमार ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर जांच कर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

किशोर की रेलवे ट्रैक पर ट्रेन से कटकर मौत,पुलिस शब को भेजा पोस्टमार्टम

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। दो दिन से लापता किशोर की ट्रेन की ट्रेन से कटकर मौत हो गई।पुलिस ने शब को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।किशोर के भाई राजकुमार ने उसकी धर्मेन्द्र कुमार के रूप में पहचान की। जानकारी के मुताबिक गांव पटवैया निवासी राजकुमार ने बताया उनका 16 वर्षीय भाई धर्मेन्द्र कुमार मंगलवार आधी रात के बाद अचानक घर से बाहर चला गया।वह मंदमदित होने के कारण कुछ दूरी पर मौजूद गांव औंध के पास रेलवे ट्रैक पर चला गया।उसे कमरे में नहीं देखकर परिजनों ने उसकी तलाश की।लेकिन उसका कुछ पता नहीं लगा।बुधवार सुबह को पुलिस को लापता होने की सूचना दी थी।रात को पुलिस ने सूचना की औंध के पास रेलवे ट्रैक पर उसका शब पड़ा है।सूचना पर पहुंचकर राजकुमार ने अपने भाई धर्मेन्द्र के रूप उसकी पहचान की।पुलिस ने शब को कब्जे में लेकर बृहस्पतिवार को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।उसके भाई ने बताया वह बहुत सीधा और दिमाग से हल्का है।इसीलिए रात को उठकर चला गया।घर लौटते समय ट्रेन से कटकर उसकी मौत हो गई।माता पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। सीओ देवेश सिंह ने बताया किशोर के शब को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

राधा-कृष्ण के रूप में सजे नन्हे-मुन्ने, जन्माष्टमी संग शिक्षकों का हुआ सम्मान

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। फरीदपुर रोड स्थित श्री विष्णु इंटरनेशनल स्कूल में जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जुगल किशोर साबू, प्रबंधक प्रेम शंकर अग्रवाल, मंत्री सुधीर कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संजय गोयल, समिति सदस्य शशिकांत मोदी, नरसिंह मोदी, सुरेंद्र अग्रवाल एवं प्रधानाचार्य इं. धीरज अग्रवाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

नन्हे छात्र-छात्राओं ने राधा-कृष्ण का मनमोहक रूप धारण कर नृत्य प्रस्तुत किए और आकर्षक झांकियां सजाईं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष जुगल किशोर साबू ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं शिक्षक दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रबंधक प्रेम शंकर अग्रवाल ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं, जबकि प्रधानाचार्य धीरज अग्रवाल ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समिति पदाधिकारियों ने शिक्षकों को उपहार भेंट कर सम्मानित किया। कोषाध्यक्ष संजय गोयल ने राधा-कृष्ण के फोटो फ्रेम वितरित किए। कार्यक्रम का संचालन शिवांगी अग्रवाल ने किया। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं का विशेष सहयोग रहा।

राधा-कृष्ण के मनमोहक रूप में सजे नन्हे-मुन्नों ने मनाया जन्माष्टमी पर्व

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर एस.बी.एस. स्कूल, में नर्सरी से यूकेजी तक के नन्हे-मुन्नों ने बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ जन्माष्टमी उत्सव मनाया। इस अवसर पर बच्चे भगवान श्रीकृष्ण और राधा के मनमोहक रूप में सजकर विद्यालय पहुंचे और अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। नन्हे कृष्णों के सिर पर मोरपंखी मुकुट, हाथों में बांसुरी और राधा के रूप में सजी बच्चियों की सुंदर वेशभूषा ने विद्यालय परिसर को ब्रज की मनोहारी छटा से भर दिया। बच्चों ने कृष्ण भक्ति से जुड़े गीतों पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किए। उनकी मासूम अदाओं, मनमोहक नृत्य और मधुर गीतों ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।कक्षा नर्सरी से ऋषिका दास, खादिया नूर, याशिका, शिवा, व्योम चौधरी,माधवी चौधरी, शौरवी,आविष्का ,अदिति, जतिन, परी, युवराज और अरहम ने भाग लिया।

कक्षा एल.के.जी. ए. से शौर्य, मोहम्मद जॉन, समन्वय,वेदांश आनंद, हलीमा, राम आदि ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कक्षा एल.के.जी.बी से प्रज्ञा सिंह, इशिका चौधरी, आसना, मोहम्मद आदि,दुआ नूर, प्रियांशु सिंह ,मानवी, शिवांक चौधरी और हार्दिक ने भाग लिया। यू.के.जी.ए. से कृषि चौधरी, कार्तिक चौधरी, राखी गुप्ता, अपर्णा गुप्ता, विराट अग्रवाल, अन्वी यादव ,दर्शिका, आध्या राज और रिद्धि जैन ने भाग लिया। यू.के.जी. बी. से टीहा अंजुम ,अदिति , अर्पणा, आराध्या, सैयद मन्नत ,कार्तिक सैनी , अनाया, आकृति, निर्मित चौधरी ,अक्षत और अश्विन ने बड़- चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह और उमंग का विशेष वातावरण देखने को मिला।

नन्हे बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप और भारतीय संस्कृति की सुंदर झलक प्रस्तुत की। विद्यालय के प्रबंधक राजीव सहाय तथा प्रधानाचार्य संयोग वशिष्ट ने बच्चों के उत्साह और शानदार प्रस्तुतियों की सराहना की। जन्माष्टमी उत्सव का समापन हर्षोल्लास और कृष्ण भक्ति के वातावरण में हुआ।

नॉर्थ जोन ताइक्वांडो में एसबीएस स्कूल की सृष्टि ने जीता कांस्य

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच। नजीबाबाद की मूलचंद अकादमी में 22 से 25 अगस्त तक आयोजित सीबीएसई नॉर्थ जोन -1 ताइक्वांडो प्रतियोगिता में एसबीएस स्कूल की छात्रा सृष्टि चौधरी ने कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में करीब 90 विद्यालयों की एक हजार बालिका खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। सृष्टि ने प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक अपने नाम किया। उसकी उपलब्धि पर विद्यालय के निदेशक राजीव सहाय ने उसे 1100 रुपये की नकद पुरस्कार राशि देकर सम्मानित किया। वहीं प्रशिक्षक सुमित शर्मा को 2100 रुपये का नकद पुरस्कार

दिया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य संयोग वशिष्ठ ने सृष्टि को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जाता है। ताइक्वांडो में एसबीएस स्कूल का प्रदर्शन लगातार बेहतर रहा है और विद्यालय के खिलाड़ी विभिन्न स्तरों की प्रतियोगिताओं में पदक हासिल करते रहे हैं। सृष्टि की उपलब्धि पर विद्यालय परिवार ने खुशी जताते हुए उसे शुभकामनाएं दीं।

राधा-कृष्ण सज्जा प्रतियोगिता में आर्यांश जैन प्रथम

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच। रेनबो चिल्ड्रन एकेडमी, नगलिया रोड में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चों को राधा-कृष्ण के रूप में आकर्षक ढंग से सजाया गया। बच्चों ने अपनी मनमोहक वेशभूषा से सभी का मन मोह लिया। राधा-कृष्ण सज्जा प्रतियोगिता में मोहल्ला अब्दुल्ला निवासी आर्यांश जैन को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया। अभिभावक संजय जैन आदि ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों को

अपनी संस्कृति और परंपराओं का ज्ञान होता है। एकेडमी संचालक चौधरी रणबीर सिंह ने कहा कि विद्यालय में बच्चों को खेल-खेल में पढ़ने की आदत डाली जाती है। साथ ही उन्हें सामान्य ज्ञान एवं सांस्कृतिक ज्ञान भी दिया जाता है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

जन्माष्टमी पर हाउस बोर्ड सजावट प्रतियोगिता आयोजित

बिलारीक्यूँ न लिखूँ सच। रानी प्रीतम कुंवर स्कूल, नीलबाग सहसपुर, बिलारी में 3 सितंबर को जन्माष्टमी के पावन अवसर पर हाउस बोर्ड सजावट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लिली, गुलाब, कमल और ट्यूलिप सदन के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी रचनात्मकता, कलात्मक कौशल एवं कल्पनाशक्ति का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रधानाचार्य श्री रंजीत ईश्वर एवं श्री परमानंद सक्सेना ने किया। उन्होंने सभी सदनों की आकर्षक बोर्ड सज्जा की सराहना करते हुए श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले सदन का चयन किया। इस अवसर पर सदन प्रभारी श्रीमती लुबना, श्रीमती

आशा कुमारी, सुश्री मेहक, श्री आकाश राघव, गतिविधि प्रभारी श्री अमित सक्सेना एवं सुश्री नायला खान उपस्थित रहे। श्री केशव सक्सेना ने सजाए गए हाउस बोर्डों के छायाचित्र लिए। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में विद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए बधाई दी।

पीलीभीत के पांच मजदूरों की मौत: रोजी-रोटी के लिए हरियाणा जा रहे थे सभी, सोनीपत में हुआ भीषण हादसा

हरियाणा के सोनीपत में बृहस्पतिवार तड़के हुए सड़क हादसे में पीलीभीत जिले के पांच मजदूरों की मौत हो गई। ये सभी मजदूरी करने हरियाणा जा रहे थे। हादसे में सात अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं।हरियाणा में सड़क हादसे में पीलीभीत जिले के पांच लोगों की मौत हो गई। ये लोग मजदूरी करने जा रहे थे। इनका वाहन बृहस्पतिवार तड़के सोनीपत के खरखौदा बस अड्डे के पास हादसे का शिकार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया। मृतकों के परिजन हरियाणा के लिए रवाना हो गए।ग्रामीणों के मुताबिक दियोरिया कलां थाना क्षेत्र के गांव बड़ेपुरा कुसुमा से 11 मजदूर और एक चालक समेत 12 लोग लोडर वाहन से हरियाणा में मजदूरी करने के लिए निकले थे। बृहस्पतिवार तड़के करीब चार बजे खरखौदा बस अड्डे के निकट वाहन भीषण हादसे का शिकार हो गया। हादसा इतना जबरदस्त था कि रामनरेश (35), अग्रपाल मौर्य (30), सुशील शर्मा (22)

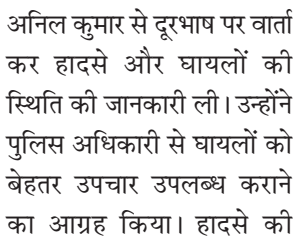

और चालक आरिफ की मौके पर ही मौत हो गई। इलाज के दौरान गंभीर रूप से घायल मेवाराम (40) ने भी दम तोड़ दिया।हादसे में खुशीराम शर्मा (55) , प्रमोद मौर्य (18), संजीव मौर्य (25), पातीराम वर्मा (27), महेंद्र पाल मौर्य (60), हरिशंकर वर्मा (35)और विवेक (20) गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए पीजीआई मेडिकल कॉलेज, रोहतक में भर्ती कराया गया है।केंद्रीय राज्यमंत्री को दी जानकारी, अधिकारियों से की वार्ता- किसान नेता देवस्वरूप पटेल ने खरखौदा थाना प्रभारी अनिल कुमार से दूरभाष पर वार्ता कर हादसे और घायलों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने पुलिस अधिकारी से घायलों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने का आग्रह किया। हादसे की जानकारी पीलीभीत सांसद एवं केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद को भी व्हाट्सएप के माध्यम से दी गई। बताया गया कि केंद्रीय राज्यमंत्री ने हरियाणा के उच्च अधिकारियों से वार्ता कर घायलों के उपचार समेत हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया है।

थाना प्रभारी अनिल कुमार ने बताया कि सभी घायलों का पीजीआई रोहतक में उपचार चल रहा है। गंभीर रूप से घायल मेवाराम की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई है।परिजनों के पहुंचने के बाद होगा पोस्टमार्टम- पुलिस के अनुसार मृतकों के परिजन हरियाणा पहुंच रहे हैं। उनके पहुंचने के बाद पुलिस पंचनामा की कार्रवाई करेगी और इसके बाद मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। परिजन और ग्रामीण उम्मीद लगाए हैं कि पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जल्द पूरी होने के बाद शव गांव बड़ेपुरा कुसुमा पहुंच सकेंगे। हादसे की खबर पहुंचते ही गांव में मातम पसरा हुआ है और मृतकों के परिवारों में चीख-पुकार मची है।

सुरेश का मर्डर: ईंट के हमले से टूटी सिर की हड्डियां, फुटेज में हमला करते दिखे आरोपी; जेल से छूटकर आया कातिल

यूपी के मुरादाबाद में जेल से छूटे हत्यारोपी ने साथियों संग फर्म कर्मी की हत्या कर दी। आरोपियों ने सिर पर ईंट से हमला कर वारदात को अंजाम दिया। आरोपी विवेक 15 दिन पहले जेल से छूटा था। पुलिस ने मामले में तीन पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है।मुरादाबाद के मझोला के अमन शुक्ला हत्याकांड में जमानत पर जेल से बाहर आए विवेक शर्मा ने अपने साथी अभय और तुषार के साथ मिलकर मंगलवार की रात फर्म कर्मी सुरेश सैनी (45) की ईंट से हमला कर हत्या कर दी। बुधवार की सुबह सुरेश का शव शराब की दुकान के पास मिला तो इस सनसनीखेज वारदात का पता चला। सीसीटीवी कैमरे में भी तीनों हत्यारोपी हमला करते दिखाई दिए हैं। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या की रिपोर्ट दर्ज तीनों की तलाश शुरू कर दी है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि मझोला थानाक्षेत्र के सूर्य नगर मानपुर नारायणपुर निवासी सुरेश सैनी फर्म में काम करता था। उसके परिवार में पत्नी सुशीला, बेटी महक, संगीता और बेटा सुशांत है। सुरेश सैनी की पत्नी

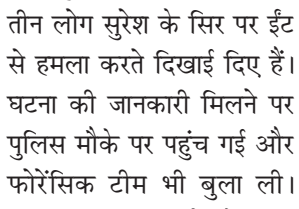

सुशीला ने बताया कि मंगलवार की शाम उसके पति फर्म से घर आए थे। करीब सात बजे वह बाजार जाने की बात कहकर घर से निकले थे। इसके बाद वह वापस नहीं आए। सुशीला और उसके परिवार के लोग सुरेश की तलाश में जुट गए थे लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिल पाई। मंगलवार की सुबह करीब नौ बजे कुछ लोगों ने बताया कि सुरेश शराब की दुकान के पास पड़े हैं। पत्नी और अन्य लोग मौके पर पहुंच गए। उन्होंने देखा कि सुरेश खून से लथपथ हालत में पड़े थे और उनकी मृत्यु हो चुकी थी। इसके बाद आस-पड़ोस के दुकानों में लगे कैमरों की फुटेज देखी गई। जिसमें तीन लोग सुरेश के सिर पर ईंट से हमला करते दिखाई दिए हैं। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और फोरेंसिक टीम भी बुला ली। जांच-पड़ताल करने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से सुरेश पर हमला कर हत्या करने वालों की पहचान मझोला के सूर्य नगर निवासी अभय, मझोला के चाऊ की बस्ती निवासी तुषार और कटघर के पीतल बस्ती निवासी विवेक शर्मा के रूप में हुई है। पुलिस टीमें तीनों की तलाश में जुटी है। आरोपी विवेक शर्मा पिछले साल जून माह में श्रमिक नेता संजीव शुक्ला के बेटे अमन शुक्ला की हत्या के मामले में जेल भेजा गया था। 15 दिन पहले ही आरोपी जेल से जमानत पर छूटा है जबकि तुषार भी चोरी के मामले में जेल जा चुका है। ईंट के हमले से टूट गई थीं सिर की हड्डियां - मझोला के लाइन पार सूर्य नगर में सुरेश सैनी के सिर पर तब तक हमला किया गया जब तक उसकी सांसें नहीं थम गईं। बुधवार शाम आई रिपोर्ट में पता चला है कि 12-14 हमले किए गए थे। इस हमले में सुरेश के सिर की हड्डियां टूट गई थीं। फुटेज में हमला करते दिखे आरोपी- पुलिस ने आस-पड़ोस के दुकानों की फुटेज खंगाली। जिसमें पता चला कि रात करीब एक बजे सुरेश पर हमला किया गया था। हमला करने के बाद उसे लहूलुहान हालत में वहीं छोड़कर भाग गए थे।

संक्षिप्त समाचार

फटा सिलेंडर, धमाके से ढहा मकान: दीवारें गिरीं, घर का सामान राख; बाल-बाल बचा परिवार, दहली बस्ती

घटना रात करीब साढ़े आठ बजे की है। राम दुलारे पुत्र सुकई के मकान की ऊपरी मंजिल पर उनकी बहू ज्ञानमती देवी खाना बना रही थीं। इसी

दौरान गैस रेगुलेटर में अचानक आग लग गई। उन्होंने कपड़े से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग सिलेंडर तक पहुंच गई और लपटें तेजी से फैलने लगीं।मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत टेऊवा ग्रांट के टोला मोहम्मद नगर (छोटा डीह) स्थित दलित बस्ती में बुधवार रात एलपीजी सिलेंडर में हुए भीषण विस्फोट से पूरा इलाका दहल उठा। धमाका इतना तेज था कि मकान की पक्की ईंट की दीवारें भरभराकर गिर गईं और घर में रखा कपड़ा, बिस्तर, बर्तन व अनाज समेत अधिकांश घरेलू सामान जलकर नष्ट हो गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना रात करीब साढ़े आठ बजे की है। राम दुलारे पुत्र सुकई के मकान की ऊपरी मंजिल पर उनकी बहू ज्ञानमती देवी खाना बना रही थीं। इसी दौरान गैस रेगुलेटर में अचानक आग लग गई। उन्होंने कपड़े से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग सिलेंडर तक पहुंच गई और लपटें तेजी से फैलने लगीं।शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। लोगों ने कथरी, गुदरी और पानी की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सिलेंडर लगातार धधकता रहा। स्थिति बिगड़ती देख सभी लोग मकान से बाहर निकलकर सड़क पर आ गए।कुछ ही क्षण बाद तेज धमाके के साथ सिलेंडर फट गया। विस्फोट की आवाज दूर तक सुनाई दी। मकान की दीवारें ढह गईं और ईंटें चारों ओर बिखर गईं। आग की चपेट में आकर घर का अधिकांश सामान भी नष्ट हो गया।परिवार नीचे होने से बचीं जानें- हादसे के समय परिवार के अधिकांश सदस्य मकान के निचले हिस्से में मौजूद थे, जबकि खाना ऊपरी मंजिल पर बन रहा था। इसी वजह से सिलेंडर विस्फोट के बावजूद कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ। घटना के बाद काफी देर तक दलित बस्ती में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

मथुरा में दरोगा की मिली खून से सनी लाश, माथे पर लगी थी गोली; जांच में जुटी पुलिस

यूपी के मथुरा जिले में बृहस्पतिवार को बड़ी घटना सामने आई। एक दरोगा का खून से सना शव मिला। उनके माथे पर गोली लगी थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।मथुरा में गोकुल बैराज के पास दरोगा का वर्दी में खून से सना शव मिला। उनके माथे पर गोली का निशान था। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। एसपी ट्रैफिक राजेश तिवारी का कहना है की प्रथम दृष्टि आत्महत्या का मामला माना जा रहा है। टीएसआई पंकज कुमार की बृहस्पतिवार को ट्रैफिक पुलिस ऑफिस में ड्यूटी लगाई गई थी। हालांकि मामले की जांच की जा रही है। यह भी पता है लगाया जा रहा है कि आत्महत्या का कारण क्या रहा।

मासूम की दिलदारी: नेपाल की तबाही देख रो पड़ा अल्फाज, सौंपी गुल्लक; 1 साल से जोड़े थे पैसे, डीएम भी हुए भावुक

पडरौना तहसील के बेतिया गांव निवासी अल्फाज शेख गुरुवार को पैसों से भरी गुल्लक लेकर सीधे डीएम कार्यालय पहुंचा और जिलाधिकारी को सौंप दी। मासूम ने

प्रशासन से अनुरोध किया कि उसकी यह छोटी-सी राशि राहत कोष में जमा कर जरूरतमंदों तक पहुंचाई जाए।छोटी उम्र, बड़ी सोच... इस कहावत को सच कर दिखाया है कुशीनगर के 6 वर्षीय अल्फाज शेख ने। नेपाल में बाढ़ की तबाही को टीवी और सोशल मीडिया पर देखकर मासूम इतना भावुक हुआ कि उसने एक साल से गुल्लक में जमा की गई अपनी पूरी बचत नेपाल के बाढ़ पीड़ितों के नाम करने का फैसला कर लिया। पडरौना तहसील के बेतिया गांव निवासी अल्फाज शेख गुरुवार को पैसों से भरी गुल्लक लेकर सीधे डीएम कार्यालय पहुंचा और जिलाधिकारी को सौंप दी।मासूम ने प्रशासन से अनुरोध किया कि उसकी यह छोटी-सी राशि राहत कोष में जमा कर जरूरतमंदों तक पहुंचाई जाए। संकट की घड़ी में पड़ोसी देश के लिए मदद का हाथ बढ़ाने वाली इस संवेदनशील पहल की हर तरफ चर्चा हो रही है। अधिकारियों ने भी मासूम की इंसानियत की मिसाल की सराहना की।

फर्रुखाबाद में गरजे सीएम योगी: बोले- 'सैफई सिंडिकेट' की डकैती पर लगाया ताला, बाढ़ पीड़ितों को बांटी राहत सामग्री

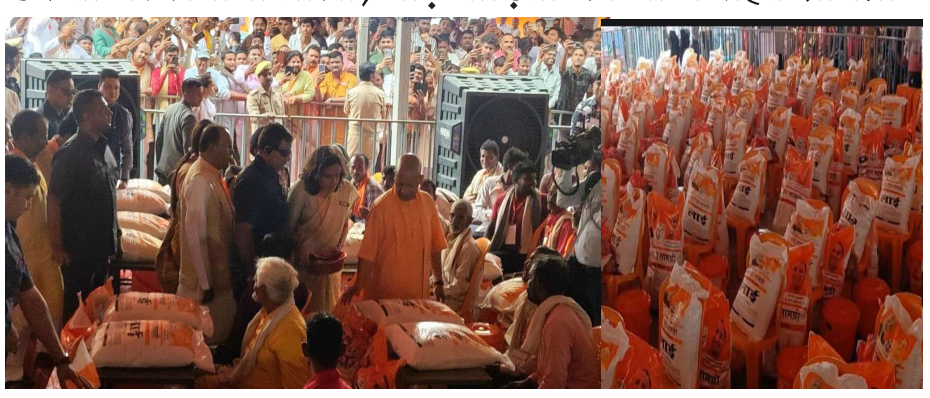

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को फर्रुखाबाद दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी पर कड़ा हमला बोला। सीएम ने कहा कि प्रदेश में पहले आउटसोर्सिंग कंपनियों के नाम पर %सैफई सिंडिकेट% सक्रिय था, जिसके पास केवल लूट-खसोट और डकैती का अनुभव था। सरकार ने आउटसोर्स सर्विस कॉर्पोरेशन का गठन कर इस व्यवस्था पर ताला लगा दिया है। अब कर्मचारियों को 6 हजार की जगह न्यूनतम 20 हजार रुपये वेतन के साथ ईपीएफ और ईएसआई की सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। बाढ़ पीड़ितों को मिली राहत, छात्र संग ली सेल्फी- पुलिस लाइन ग्राउंड पहुंचे मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों सदर, कायमगंज और अमृतपुर की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने 1,000 बाढ़ पीड़ितों को 26 आवश्यक वस्तुओं वाली राहत किट वितरित की और बेघर हुए परिवारों को आवासीय भूमि के पट्टे व आर्थिक सहायता के प्रमाण पत्र सौंपे। शिविरों में बच्चों की पढ़ाई के लिए शिक्षकों की तैनाती की जानकारी देते हुए उन्होंने हाई स्कूल के छात्र करण कश्यप के साथ आत्मीयता से सेल्फी भी खिंचवाई। एक्सप्रेसवे कनेक्टिविटी और किसानों को सौगात- क्षेत्रीय विकास पर बात करते हुए सीएम ने कहा कि प्रस्तावित लिंक एक्सप्रेस-वे फर्रुखाबाद को गंगा एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से जोड़ेगा। स्थानीय किसानों के हित में उन्होंने ऐलान किया कि कोल्ड स्टोरेज में रखे आलू का प्रति बोरी भुगतान, नुकसान का सर्वे कराकर सीधे खातों में मुआवजा और पेरू के सहयोग से आगरा में अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र स्थापित किया जा रहा है। साथ ही गन्ने का समर्थन मूल्य बढ़ाकर 400 रुपये प्रति क्विंटल करने का उल्लेख किया। छात्राओं को स्कूटी और युवाओं को रोजगार- मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि रानी लक्ष्मीबाई योजना के अंतर्गत स्नातक अंतिम वर्ष की 50 हजार मेधावी छात्राओं को मुफ्त स्कूटी दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रदेश में आए 50 लाख करोड़ के निवेश प्रस्तावों से बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित होंगे और अब भर्तियों में किसी भी प्रकार का भेदभाव या युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दिनदहाड़े चोर सक्रिय 5 लाख की चोरी पुलिस का नहीं है डर

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ अकराबाद के सुहावली गांव में दिनदहाड़े चोरी की एक घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने एक मकान से करीब 5 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात चुरा लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव सुहावली के रहने वाले रूप किशोर सिंह अपने परिवार के साथ जाहरपीर दर्शन करने गए थे। उन्होंने अपनी पत्नी प्रेमवती और बच्चों को घर पर छोड़ा था। गुरुवार सुबह प्रेमवती पशुओं के लिए चारा लेने खेतों पर गई थीं। इसी दौरान अज्ञात चोर पीछे के रास्ते से बंद मकान में घुस गए। चोरों ने कमरे का ताला तोड़ा और घर में रखे लगभग 5 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात लेकर फरार हो गए। जब प्रेमवती चारा लेकर घर लौटीं, तो उन्होंने कमरे का ताला टूटा हुआ और सारा सामान बिखरा हुआ देखा। उन्होंने तुरंत पुलिस को इसकी जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। उपनिरीक्षक नितिन यादव ने बताया कि सुहावली गांव में एक मकान से जेवरात चोरी होने की सूचना मिली थी। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और अज्ञात चोरों की तलाश में जुटी है।

डीएम ने की जनगणना-2027 के द्वितीय चरण की तैयारियों की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूं में जिलाधिकारी नें जनगणना-2027 के प्रथम चरण के सफलतापूर्वक संपन्न होने के उपरांत आगामी द्वितीय चरण की तैयारियों एवं प्रशिक्षण व्यवस्था को लेकर जिलाधिकारी अवनीश राय ने मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व महेन्द्र कुमार श्रीवास्तव तथा समस्त उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों के साथ गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में बैठक की। बैठक में द्वितीय चरण की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।बैठक में बताया गया कि द्वितीय चरण के प्रशिक्षण के लिए जनपद स्तर पर जिला प्रशासन द्वारा तीन मास्टर ट्रेनर तथा जिला जनगणना कार्यालय द्वारा एक मास्टर ट्रेनर, कुल चार मास्टर ट्रेनर उपलब्ध कराए गए हैं। इन मास्टर ट्रेनरों का चार दिवसीय प्रशिक्षण माह के अंतिम सप्ताह में प्रस्तावित है। प्रशिक्षण के उपरांत मास्टर ट्रेनरों द्वारा जनपद स्तर पर लगभग 118 से 120 फील्ड ट्रेनरों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। फील्ड ट्रेनरों द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद चार्ज स्तर पर प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका उद्देश्य द्वितीय चरण के कार्यों का सुचारु एवं समयबद्ध संचालन सुनिश्चित करना है। साथ ही बैठक में यह भी बताया गया कि जनगणना-2027 का द्वितीय चरण जनसंख्या गणना पूर्णत: डिजिटल माध्यम से संचालित किया जाएगा। इस चरण में जनसंख्या संबंधी आंकड़ों का संकलन डिजिटल रूप से किया जाना प्रस्तावित है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को द्वितीय चरण की सभी तैयारियां निर्धारित समय में पूर्ण करने तथा प्रशिक्षण एवं जनगणना कार्य के सफल संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर समस्त उपजिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी न्यायिक, तहसीलदार, तहसीलदार न्यायिक, नायब तहसीलदार एवं सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सभी तहसीलों में 12768 राजस्व वाद लम्वित, डीएम नाराज़

क्यूँ न लिखूँ सच / जिलाधिकारी अवनीश राय ने लम्वित राजस्व वादों की समीक्षा के दौरान पाया कि तहसील बदायूँ में 3649 वाद, बिसौली में 2982, दातागंज में 2506, बिल्सी में 1863 तथा सहसवान में 1768 वाद कुल 12768 वाद लम्वित हैं। डीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि लम्वित वादों को प्राथमिकता पर निस्तारण करने का पूर्ण प्रयास किया जाए। गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में डीएम ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व महेन्द्र कुमार श्रीवास्तव तथा समस्त उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों के साथ लम्वित राजस्व वादों की गहन समीक्षा की। डीएम ने निर्देश दिए कि लम्वित वादों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होंने पाया कि जनपद में एक वर्ष से अधिक व 03 वर्ष से कम अवधि के 2077 वाद तथा तीन वर्ष से अधिक के 248 व पांच वर्ष से अधिक अवधि के 111 वाद लम्वित हैं। डीएम ने निर्देश दिए कि पांच वर्ष से अधिक पुराने राजस्व वादों को प्राथमिकता पर निस्तारित किया जाए। उन्होंने समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि तहसीलों में लम्वित वादों की अपने स्तर से समीक्षा कर उनका निस्तारण सुनिश्चित करें एवं कृत कार्यवाही से आगामी समीक्षा बैठक में अवगत कराएं। उन्होंने राजस्व संहिता की धारा 116, 24 एवं 34 की भी समीक्षा की। उन्होंने उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को इन धाराओं में लम्वित वादों के निस्तारण के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर समस्त सम्बंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सिद्धेश्वर मंदिर में आज गूंजेगी ध्रुपद शैली में श्रीकृष्ण स्तुति

ग्वालियर के कलाकार देंगे शास्त्रीय संगीत एवं भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / शिवपुरी। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के पावन अवसर पर शिवपुरी में 4 सितंबर को भव्य 'श्रीकृष्ण भजन संध्या' का आयोजन किया जाएगा।

संस्कृति विभाग के अंतर्गत श्रीकृष्ण पाथेय न्यास एवं जिला प्रशासन शिवपुरी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित यह सांस्कृतिक कार्यक्रम शुक्रवार शाम 7 बजे से श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में होगा।

कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत की समृद्ध एवं प्राचीन ध्रुपद शैली विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। ग्वालियर के प्रख्यात कलाकार श्रीमती यखलेश बघेल, सुश्री योगिनी ताम्बे एवं श्री तेजस भाटे द्वारा ध्रुपद शैली में भगवान श्रीकृष्ण की स्तुति एवं भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन का उद्देश्य धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को सांस्कृतिक चेतना से जोड़ना है।

कलेक्टर ने दिए व्यवस्थाओं के निर्देश- कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम के गरिमापूर्ण आयोजन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने श्री सिद्धेश्वर मंदिर सहित जिले के अन्य मंदिरों में विशेष साफ-सफाई तथा आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए हैं।

कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के लिए कहा गया है।

81 प्रमुख धार्मिक स्थलों पर हो रहे आयोजन- जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के नोडल अधिकारी ने बताया कि श्रीकृष्ण पाथेय न्यास द्वारा प्रदेश के 81 प्रमुख श्रीकृष्ण मंदिरों, मठों एवं धार्मिक स्थलों में इसी प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शिवपुरी में भी श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में यह विशेष भजन संध्या आयोजित की जा रही है। जिला प्रशासन एवं जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद ने धर्मप्रेमी नागरिकों, प्रबुद्धजनों एवं संगीत प्रेमियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर भक्तिमय एवं सांस्कृतिक संध्या का आनंद लेने की अपील की है।

24 घंटे के भीतर चैन स्नैचिंग की घटना का सफल अनावरण, पुलिस मुठभेड़ में शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / अमरीक सिंह/ बहराइच/

24 घंटे के भीतर चैन स्नैचिंग की घटना का सफल अनावरण। - थाना मटेरा पुलिस एवं क्राइम ब्रांच की स्वॉट टीम की संयुक्त कार्रवाई में पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक शातिर अभियुक्त गिरफ्तार। - घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्रों के CCTV फुटेज का विश्लेषण कर अभियुक्तों की पहचान की गई तथा गिरफ्तारी हेतु लगातार दबिश दी गई। - पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से देशी तमंचा .315 बोर, एक खोखा कारतूस एवं एक जिन्दा कारतूस, घटना से संबंधित एक मंगलसूत्र, चोरी की मोटरसाइकिल व ?4,850/- नकद बरामद। - अभियुक्त का आधा दर्जन से अधिक मुकदमों का आपराधिक इतिहास। - फरार अभियुक्त असलम की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों द्वारा लगातार तलाश एवं संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। - पुलिस अधीक्षक बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव एवं अन्य अधिकारीगण द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण किया गया तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। श्रीमान पुलिस अधीक्षक बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी तथा क्षेत्राधिकारी नानपारा श्री चित्रांशु गौतम के निर्देशन में क्राइम ब्रांच की स्वॉट टीम तथा थाना मटेरा पुलिस की संयुक्त टीम को मिली सफलता । विवरण- दिनांक 01.09.2026 को थाना मटेरा पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि वादिनी गंगोत्री पत्नी सुरेन्द्र, निवासी सुआगाड़ा, थाना कोतवाली, जनपद लखीमपुर, अपने फूफा हरिद्वार पिता शंकरपुर, निवासी जंगलीनाथ, थाना नानपारा के यहां से वापस अपने घर आ रही थीं। इसी दौरान गुलालपुरवा टोल प्लाजा से पहले दो अज्ञात बाइक सवारों द्वारा झपट्टा मारकर उनका मंगलसूत्र छीनकर फरार हो जाने की घटना घटित हुई। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना मटेरा पर मु0अ0सं0 138/2026 धारा 304(2) पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक बहराइच द्वारा घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए तीन पुलिस टीमों का गठन कर घटना के शीघ्र अनावरण एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। गठित पुलिस टीमों द्वारा घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का अवलोकन किया गया, जिससे दोनों अपराधियों के संबंध में महत्वपूर्ण सुराग प्राप्त हुए।

संक्षिप्त समाचार

टेंपो चालक घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ में अकराबाद थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे स्थित नानऊ पुल पर एक टेम्पो पलट गया। इस हादसे में टेम्पो सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह घटना गुरुवार सुबह करीब 7 बजे हुई। टेम्पो अकराबाद से अलीगढ़ जा रहा था, तभी अचानक हाईवे पर पलट गया। घायल युवक की पहचान एटा निवासी प्रशांत कुमार पुत्र चंद्रपाल के रूप में हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल प्रशांत को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने प्रशांत को प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद उसे आगे के इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

दुकानदार की ट्रक की चपेट में आकर मौके पर मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / लवकुश ठाकुर / अलीगढ़ के अकराबाद में नेशनल हाईवे पर पनेठी के पास एक ट्रक वाहन की टक्कर से एक दुकान दार की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। यह घटना गुरुवार सुबह करीब 8 बजे हुई। पनेठी फ्लाईओवर से पहले नेशनल हाईवे पर आफत नगला अलहदादपुर, हरदुआगंज, अलीगढ़ निवासी ओमकार सिंह (52) को किसी ट्रक वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक पंकज मिश्रा मौके पर पहुंचे। उन्होंने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए अलीगढ़ भेजा। मृतक ओमकार सिंह अपने पीछे पत्नी गायत्री, पांच बेटियों और एक बेटे को छोड़ गए हैं।

पुलिस मॉडर्न स्कूल, में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद बदायूं में पुलिस मॉडर्न स्कूल, बदायूँ में श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया । इस अवसर पर नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा-कृष्ण की मनमोहक वेशभूषा में स्कूल पहुंचे और अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया । स्कूल में बच्चों द्वारा रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से सुंदर झूले, पोस्टर, मटकी एवं बांसुरी आदि सजाकर श्री कृष्ण जन्माष्टमी की आकर्षक झांकी तैयार की गई । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सुमेध मिलिंद जाधव, IPS, प्र0 द्वारा बच्चों की रचनात्मकता एवं प्रतिभा की मुक्त कंठ से प्रशंसा की गई तथा सभी को श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर बच्चों को मिष्ठान का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में प्रतिसार निरीक्षक श्री इन्द्रजीत सिंह एवं पुलिस स्टाफ, प्रधानाचार्य श्री शैलेन्द्र बत्तरा, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा वामा सारथी की सदस्य श्रीमती नीलम उपस्थित रहीं।

एचआईवी जागरूकता अभियान को मिलेगी रफ्तार, जांच-इलाज पर जोर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। मुख्य विकास अधिकारी देवयानी की अध्यक्षता में गुरुवार को विकास भवन सभागार में सघन अभियान एवं जिला एड्स रोकथाम एवं नियंत्रण समिति की बैठक हुई। बैठक में एचआईवी/एड्स की रोकथाम, बचाव, जागरूकता, जांच एवं उपचार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सीडीओ ने स्वास्थ्य विभाग समेत संबंधित विभागों को बेहतर समन्वय के साथ अभियान चलाने और अधिक से अधिक लोगों तक सही जानकारी व स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने समयबद्ध तरीके से गतिविधियां संचालित करने तथा अधिक से अधिक लोगों की एचआईवी जांच सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। बैठक में संक्रमित व्यक्तियों को आवश्यक उपचार एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के साथ ही एचआईवी/एड्स को लेकर फैली भ्रांतियों को दूर करने और जनजागरूकता बढ़ाने पर भी बल दिया गया। इस दौरान सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह, जिला क्षय रोग अधिकारी, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, जेलर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

Neither hip-hop nor rap... this Punjabi folk song still creates a stir; people are drawn to the floor upon hearing it.

The charm of this folk song is such that even shy aunts sitting in the corner of the gathering can't stop themselves from dancing. How can a wedding be celebrated without singing and dancing to the beat of the dholak? North Indian music and mehndi functions are considered completely incomplete without one special song, and that evergreen song is "Kala Sha Kala." The energy of this song is such that even those who shy away from dancing start moving on their own. You've likely heard this track a lot these days on DJs, Bollywood films, and social media trending reels. However, you might be surprised to know that the song that today's young generation is dancing to wasn't written for any film. It's a traditional folk song rooted in the soil of Punjab. The most interesting thing is that this fun and humorous song hides a profound and beautiful message. Let's find out what that secret is...what is the true meaning of "Kala Sha Kala"? The most famous line of this folk song is, "Kala Sha Kala, Mera Kala Hai Sardar, Goriyaan Nu Dafa Karo..." In its literal meaning, a young woman or newlywed bride boldly praises her dark-skinned husband. She tells her friends, "My Sardar (husband) may be dark, but he is the best for me. Get these fair-skinned people out of my sight." In Indian society, where there has always been a distinct obsession with fair skin, this song, composed centuries ago, beautifully and playfully attacked the racism of society. Folk songs hold the essence of women's empowerment. In ancient times, when women lacked the freedom to express themselves freely, these wedding songs served as a means of expressing their feelings. Through this song, a woman defies the societal standards of fairness and expresses her unwavering love for her dark-skinned partner. This song isn't just for entertainment; it's also a sweet protest. When the bride laughingly exclaims, "Goreyan nu dafa karo," she sends a message to society that true love and a person's character transcend appearance. Gidda and laughter are integral to weddings. When women gather in the courtyard with dholaks, the song becomes more than just a song, but a full-fledged gathering. These songs capture the sweet banter between mother-in-law and father-in-law, sister-in-law and brother-in-law. When a woman in the Gidda group joins in, she sings this song, and the rest joins in chorus. It was a sweet and safe way to break the ice between two families through song and bring them closer. These folk songs work like magic to lighten the heavy and tense atmosphere of a wedding. From the village courtyard to Bollywood and reels, the music of this folk song has changed over time, but its spirit remains the same. Traditionally, this song was part of rural Punjab festivals, where women would gather together to sing. However, today, its simplicity and powerful rhythm have taken it from the village of Punjab to the pubs of big cities. Bollywood has also brilliantly recreated this song in several films, and today's younger generation considers it the wedding anthem of their sangeet functions. From homes to films, "Kala Sha Kala" is a traditional Punjabi folk song, so it doesn't have a single original singer or composer. It has been sung collectively by women during weddings and gidda celebrations in Punjab for generations. However, the credit for commercially recording it and making it famous worldwide goes to these singers: Surinder Kaur and Prakash Kaur: This famous sister duo from Punjab first lent their voices to this folk song, making it a household name. Modern and Bollywood versions: Today, singers like Neha Kakkar, Navraj Hans, and Ammy Virk have reimagined the song for films and music albums.

Thinking of sending your bike or bicycle to another city by train? Find out how much it will cost and what documents are required.

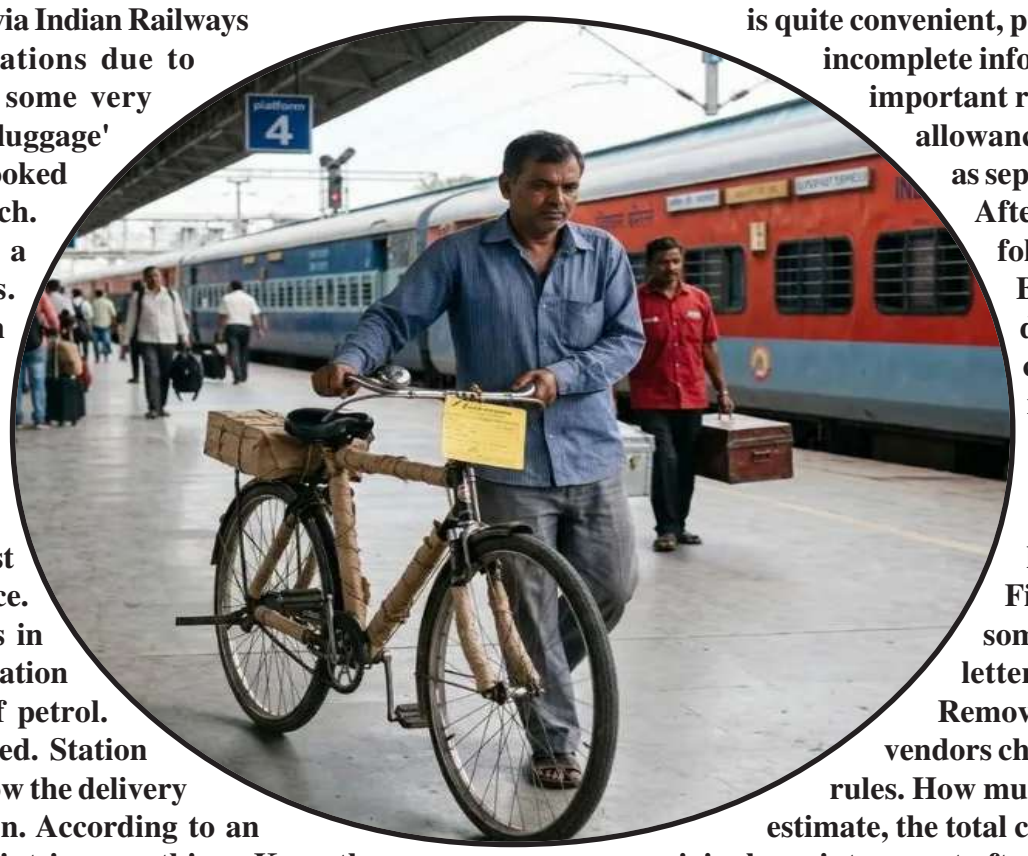

Are you relocating to another city or want to take your bicycle or motorcycle with you by train during a trip? If so, you should definitely read this article. Transporting your bicycle or motorcycle from one city to another via Indian Railways is quite convenient, provided you know the correct rules. Yes, you read that correctly. People often face problems at railway stations due to incomplete information. So, in this article, learn the correct method of sending your bicycle or two-wheeler by train and some very important rules related to it. Rules for carrying a bicycle - No free luggage: Bicycles are not considered part of the 'free luggage' allowance on trains like your regular suitcase or bag. Regardless of the class you travel in, bicycles must always be booked as separate luggage or parcels. Where is the bicycle stored: You cannot carry a bicycle with you in the passenger coach. After booking, it is placed in the guard's compartment at the front or rear of the train. However, if you have a folding bicycle that can easily fit in a small bag, it may be allowed in the cabin, subject to certain conditions. Booking: On the day of travel, arrive at the station's parcel office about two to three hours before your train departs. Present your confirmed ticket and a valid ID card, pay the fee, and obtain a luggage receipt. Action if caught without booking: If you take your bicycle onto the platform or into the train compartment without a receipt, the checking staff may confiscate it. You may also be fined several times the parcel charge. Complete Process for Parceling a Bike - Forms and Information: To parcel a bike, first obtain a form from the parcel booking office. In it, you will need to fill in your mobile number, destination, and all vehicle details. Railway officials will then weigh and inspect your bike. These documents are essential: When booking a parcel, you must have your Aadhaar card, a working mobile number, the bike's registration number, and first-party insurance. First-party insurance is required so that a claim can be filed in case of any damage in transit. If the bike is in someone else's name, a mere photocopy will not suffice; you must show the original documents or an authorization letter. Petrol and packing: Under railway safety regulations, the vehicle's tank must be completely empty of petrol. Remove the bike's side mirrors before parceling. To protect the handle and the entire body, it must be tightly packed. Station vendors charge between 300 and 600 rupees for packing, depending on the size of the vehicle. Don't lose your receipt; know the delivery rules. How much will it cost: The fare for your bike depends on its weight, the distance to be traveled, and the class of train. According to an estimate, the total cost of sending a bike 800 kilometers away, including parcel and packing, can be around 3,000 rupees. Receipt is everything: Keep the original receipt you get after booking the parcel very safely. You will get your bike or cycle back by showing this receipt at the destination station. Do not delay delivery: Receive the vehicle on time after it reaches its destination. If your bike remains parked at the station for more than 6 days, then the railways will levy extra charges from you. The vehicle can come by a different train: It is not absolutely necessary that your bike should be sent by the same train in which you are travelling. If there is no space in the brake-van of that train, then the railways can parcel the vehicle by some other train as per its convenience.

The milk boiled over and burned, making history! How a "mistake" led to the first Peda in Mathura? Read this fascinating story.

The story of Mathura's Peda holds more mythological significance than historical. Yashoda Maiya accidentally made the first Peda. Peda is mentioned in 18th-century manuscripts. Queen Victoria also loved Mathura's Peda. If you visit Mathura to visit Lord Krishna and don't bring Peda, your trip is incomplete. These are a special identity of Krishna's birthplace, as special Pedas are available in every street here. They come with their own flavors and varieties, some less sweet, some with more khoya, and some made with pure desi ghee. So, let us tell you the ancient history of Mathura's Peda and how it became a special symbol of Krishna's city. Mother Yashoda made the first Peda. While there is no authentic history associated with Mathura's famous Peda, there is definitely a mythological story behind it. It is said that Yashoda Maiya accidentally made pedas for Lord Krishna. Once, she put milk to boil, but forgot to put it on the flame. When she returned some time later, she found that the milk had thickened. Yashoda Ma added sugar to this thickened milk, shaped it into pedas, and fed it to Lord Krishna. Lord Krishna was so impressed by the taste of this sweet dish that he ate it with great relish. It is said that this is why pedas are offered to Lord Krishna as offerings. How did pedas become Mathura's identity? According to historians, Mathura's pedas are mentioned in an 18th-century manuscript, Akalnama Chakkata. This fact proves that Mathura's pedas have been made since before the 18th century. Queen Victoria also loved Peda. Legend has it that after the 1857 Revolution, when British control of India fell completely under British control, a famous Peda shop opened in Vadodara in the 1860s. It was opened by two brothers from Mathura. The Pedas from here first reached the Gaekwad royal family of Vadodara. Legend has it that Maharaja Khanderao Gaekwad II's elephant stopped at this shop. It didn't move until it tasted the Pedas. The Maharaja then introduced the Pedas to Queen Victoria of Britain. These Pedas became the Queen's favorite and were even included in her royal banquets.

Hanuman Ansh showered the blessings of Bajrang Bali, earning a massive box office run.

The film Hanuman Ansh created box office history, earning a dramatic change on the 26th day of its release. Hanuman Ansh created box office history. On Tuesday, the earnings equations changed. As a biopic of Baba Neem Karoli, Hanuman Ansh currently remains a top choice among audiences. This movie has achieved a box office performance that will be remembered for a long time in Bollywood history. On the 26th day of its release, Hanuman Ansh achieved a remarkable box office run, suggesting that director Vishal Chaturvedi's film has truly been blessed by Bajrang Bali. Let's learn about Hanuman Ansh's 26th-day collection report - Hanuman Ansh changed the earnings equation on Tuesday. Hanuman Ansh, which grossed just ?1 crore in the first two weeks of its release, has made a historic box office comeback. The film's turnaround in business since its third week has continued on weekdays. According to a report by SacNilk, Hanuman Ansh's box office collection increased by over 54% on the 26th day of its release, a staggering increase for any film in terms of working days. Additionally, on its fourth Tuesday, Hanuman Ansh collected ?8.50 crore, an increase of ?3 crore from last Monday. This brings Hanuman Ansh's total box office collection to ?54.13 crore. Everyone is astonished by the turnaround in Hanuman Ansh's commercial performance. No one can believe how a film can make such a comeback. But Hanuman Ansh has proven that such a comeback is possible if the content is strong. Hanuman Ansh has earned a hefty profit. Hanuman Ansh's budget is reportedly around ?2 crore, and its total earnings have reached close to ?55 crore. Based on this, the movie has surprised everyone by earning 27 times more than its budget. Its earnings are expected to rise even further in the coming days.

She gave numerous hot scenes with Emraan Hashmi, later openly called him "bhaiya" (brother); the actress's statement went viral on the internet.

Actress Tanushree Dutta, who gave numerous intimate scenes with Emraan Hashmi in the film "Aashiq Banaya Aapne," called him her brother during an interview. Tanushree Dutta described her brother-sister chemistry with Emraan. In 2005, she gave several hot scenes in "Aashiq Banaya Aapne," but the actress said, "I don't enjoy kissing." Emraan Hashmi may be acting in films of different genres today, but the 2000s were a time when the tag of "serial kisser" was attached to his name. Emraan Hashmi has given hot and bold scenes on screen with many heroines. However, the two actresses with whom his kissing scenes are most talked about are Mallika Sherawat and Tanushree Dutta. However, Tanushree Dutta had described their hot chemistry as that of brother and sister in an old interview. Tanushree Dutta had called Emraan Hashmi as brother - Emraan Hashmi and Tanushree Dutta had worked together in not one but three films. However, the film which was most talked about was 'Aashiq Banaya Aapne', which was released in the year 2005. In this film, not just one scene but the entire song featured a lot of kissing scenes between Emraan and Tanushree. The hot chemistry between the two was liked by the fans very much. However, in an interview given to Filmigyan, Tanushree Dutta surprised everyone by saying that her chemistry with Emraan Hashmi was like that of brother and sister. The actress had said, "There was nothing personal between me and Emraan. The chemistry between me and Emraan Hashmi was like brother and sister. We were kissing just for the camera. When you do a scene, your facing matters a lot. It's all technical." Tanushree Dutta further said, "I don't enjoy kissing scenes onscreen. The actor's entire focus is on making sure the scene comes out well." Tanushree also mentioned in this interview that actors face a lot of pressure to do such scenes in front of many crew members. So there's no personal connection or fun in doing such scenes." In an earlier interview, she had compared kissing scenes to action or crying scenes,

which she simply wants to complete. Let us tell you that Aashiq Banaya Aapne grossed over 9 crore rupees at the box office. Apart from this film, Tanushree and Emraan Hashmi also worked together in films like 'Good Boy Bad Boy'.

Swara Bhaskar compared the "Jauhar" scene in "Padmaavat" to a "rape survivor," prompting criticism.

Swara Bhaskar called Deepika Padukone's "Jauhar" scene in "Padmaavat" cowardly and compared it to a "rape" survivor, sparking outrage on social media. Swara Bhaskar questioned the "Jauhar" scene in "Padmaavat," sparking controversy by comparing the "Jauhar" practice to a rape survivor. Accused of insulting Rajput women on social media, Swara Bhaskar has once again found herself in the news, facing intense trolling. Recently, the actress wrote an open letter to Sanjay Leela Bhansali regarding the "Jauhar" scene in the blockbuster film "Padmaavat." Furthermore, while attending an event in Delhi, she expressed concern over the "Jauhar" sequence depicted in the film. Why is Swara Bhaskar once again embroiled in controversy? Read the full story in detail below. Swara asked, "What message is Padmaavat giving me?" According to a Times of India report, Swara Bhaskar questioned Sanjay Leela Bhansali's 2018 film "Padmaavat," saying, "I was watching this film and I saw 800 women performing the Jauhar ritual. God forbid, if I had been raped, what message is this film giving me? The movie is telling me that I am a coward because I did not take the extreme step of suicide to protect my honor." Is a girl not worthy of being born? Swara Bhaskar talked about the scene in the film "Padmaavat" where a pregnant woman commits suicide. The actress said that the scene enraged her so much that she even uttered "yuck." The actress said, "So you mean to say that there could be a girl growing in the womb who does not have the right to be born because she could be raped by a Muslim." Swara told that she did not write the open letter to Bhansali immediately after watching the film, rather she waited for five days hoping that maybe he would change his mind. According to Swara, the purpose behind writing the letter was to tell that women are much more than their private parts. Swara Bhaskar was badly trolled on social media - After hearing this statement of Swara Bhaskar, many users on social media have erupted in anger. People are calling the actress's statement an insult to Johar and the women associated with it. One user wrote, "With his statement, he has insulted all Hindu women. Especially the honour and dignity of Rajput women." Swara Bhaskar herself reacted to the continuous trolling and wrote on her Instagram story, "It is very shocking that people are so triggered by the fact that those who have been raped also have the full right to live."